आवश्यकता है
दैनिक गुरु एक्सप्रेस
कार्यालय में ऑफिस बॉय की आवश्यकता है।
वेतन योग्यता अनुसार
संपर्क
संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक
कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस
9425105928. 8319964648

डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live
बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार
संपादक – आशुतोष नवाल
वर्ष 18 | अंक 158 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 20 मार्च 2024 | मूल्य 2 रुपया

श्री सिद्धि विनायक
हार्ट केयर
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) | DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

पेन टीएमटी फैक्टरी मालिकों की जेब में प्रशासन?

नियमों को ताक पर रखकर फैक्टरी उड़ा रही धुआं, सुरक्षा के अभाव में गई एक मजदूर की जान

मंदसौर, 19 मार्च गुरु एक्सप्रेस। दलौदा इलाके के ग्राम नई फतेहगढ़ में महू-नीमच राजमार्ग पर चल रही सरिया बनाने वाली पेन टीएमटी सरिया फैक्टरी नियमों को ताक पर रखकर चल रही है। ऐसा लगता है मानो पूरा प्रशासन फैक्टरी मालिक की जेब में हो। नियमानुसार इतना बड़ी फैक्टरी हाईवे पर और रहवासी इलाके में संचालित हो ही नहीं सकती। जबकि, एक माध्यमिक स्कूल की दीवार से सटकर फैक्टरी संचालित हो रही है। कुछ ही दूरी पर महाविद्यालय भी मौजूद है तो रहवासी क्षेत्र में इसका संचालन हो रहा है। मजदूरों की सुरक्षा को लेकर भारी कोताही फैक्टरी प्रबंधन बरत रहा है। इसी का खामियाजा मंगलवार को एक मजदूर को अपनी जान गवाकर देना पड़ा।

मौत के बाद आक्रोश...

मजदूरों की सुरक्षा को लेकर हर फैक्टरी के लिए नियम निर्धारित किए गए है। लेकिन मजदूरों की सुरक्षा से ज्यादा फैक्टरी प्रबंधन अपनी जेब की चिंता कर रहा है। इसी का खामियाजा मंगलवार को मजदूर शाहरुख मंसूरी को भुगतना पड़ा। क्रेन में उलझने से मजदूर की मौत हो गई। इसके बाद कांग्रेस नेताओ सहित अन्य मजदूर भी गांधी चौराहा पहुंचे। यहां फैक्टरी प्रबंधन के खिलाफ आक्रोश साफ नजर आ रहा था। हालांकि, आक्रोश बाहर आए उसके पहले ही प्रबंधन ने 18 लाख का चेक परिजनों को दे दिया। लेकिन, सवाल अन्य मजदूरों की जान का भी है। फैक्टरी में मजदूरों की सुरक्षा में लापरवाही अन्य मजदूरों की जान को भी खतरे में डाल रही है।

[मिडिल स्कूल से सटी हुई दीवार, रहवासी क्षेत्र में हो रहा संचालन]

इंसान की जान की कीमत 18 लाख...?

गांधी चौराहे पर जब यह बताया गया कि मृतक की पत्नी को 18 लाख रूपए का चेक दिया गया है। तो यह चर्चा चल पड़ी कि क्या किसी मजदूर हो या आम आदमी उसकी जान की कीमत 18 लाख रूपए है? एक पैसे वाला नेता बोल पड़ा कि मालिको में से किसी एक की जान देने को तैयार हो तो 18 नहीं 36 लाख दे दूं। हालांकि, फिर यह बात हवा हवाई हो गई।

रिहायशी इलाके में कैसे दे सकते अनुमति?

नियमानुसार रिहायशी क्षेत्र में कोई फैक्ट्री नहीं लगाई जा सकती है। फैक्ट्री के लिए एनओसी होनी जरूरी है और फैक्ट्री के अंदर आग नियंत्रण संबंधी यंत्र होने चाहिए। मजदूरों की सुरक्षा के पूरा इंतजाम होना चाहिए। इस कार्य के लिए एक सेफ्टी इंचार्ज भी होता है। लेकिन, फैक्टरी नई फतेहगढ़ के रहवासी इलाके में संचालित हो रही है। इसी की दीवार से लगा हुआ एक माध्यमिक विद्यालय भी है। जो फैक्टरी लगने से पहले ही संचालित हो रहा है। वहीं पास में ही महाविद्यालय भी स्थापित हो गया है। जहां विद्यार्थियो की संख्या में लगातार ईजाफा हो रहा है। कुल मिलाकर यहां फैक्टरी की अनुमति कैसे दे दी गई या प्रशासन में गुमराह कर अनुमति ली गई। यह जांच का विषय है।

राजमार्ग पर उड़ता धुआ बयां कर रहा हकीकत...

फैक्टरी में नियमों का किस तरह से मखौल उड़ाया जा रहा है। यह राजमार्ग पर उड़ता फैक्टरी से निकल रहा काला धुआं बयां कर रहा है। इस क्षेत्र का वातावरण प्रदूषित होता जा रहा है। ऐसे में फैक्टरी के मजदूरों, आसपास के लोग और विद्यार्थियों को बीमारी का खतरा बना हुआ है।

न कोई जांच, न कोई कार्रवाई...

नियमानुसार समय-समय पर हर फैक्टरी की जांच संबंधित विभाग के अधिकारियों को करनी होती है। उसके तहत समय-समय पर कारखाना निरीक्षक द्वारा मजदूरों के सुरक्षा की जांच, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों द्वारा समय-समय पर प्रदूषण की जांच तथा श्रम विभाग के अधिकारियो द्वारा मजदूर सुरक्षा, बाल श्रम मजदूरी के तहत 14 वर्ष से कम उम्र के काम करने वाले मजदूरों की जांच कर दोषी पाए जाने पर उस कंपनी के खिलाफ कार्रवाई करने का प्रावधान है। पर यहां तो खुले आम चिमनी से धुआं उठता दिख रहा है। पर जिम्मेदार अधिकारी मौन धारण किए हुए है।

यह विभाग नहीं निभा रहे जिम्मेदारी...

✲श्रम विभाग की जिम्मेदारी है कि शहर के अंदर कितनी रजिस्टर्ड फैक्ट्री हैं और शहर के किन रिहायशी क्षेत्रों में या शहर के बाहर कितनी फैक्ट्रियां चल रही हैं, इसकी जांच करनी होती है। मजदूरों का रिकार्ड रखने के साथ-साथ समय पर जांच करनी होती है कि मजदूरों को सुविधाएं सही से मिल रही हैं या नहीं।

✲अग्निशमन विभाग को जांच करनी होती है कि फैक्ट्रियों के अंदर अग्नि रोधक यंत्र हैं या नहीं और वो चालू स्थिति में हैं या नहीं और फैक्ट्री तक अग्निशमन विभाग की गाड़ी पहुंचने की क्या व्यवस्था है।

✲ सेफ्टी एंड हेल्थ विंग को फैक्ट्रियों के अंदर जाकर वहां की बिल्डिंग की स्थिति, मशीनों के हालात, उनके पैनल और मजदूरों की सुरक्षा संबंधी जांच करनी होती है।

✲ बिजली विभाग द्वारा फैक्ट्रियों की जांच कर रिपोर्ट बनाई जानी होती है कि बिजली की क्या व्यवस्था है और बिजली की फिटिंग कैसी है। क्योंकि, ज्यादातर फैक्ट्रियों में आग शॉर्ट सर्किट से ही लग रही हैं।

मूल्यांकन-परीक्षा कार्य में लगे शिक्षकों को निर्वाचन से मुक्त रखें

[कलेक्टर को माशिमं ने लिखा पत्र]

मंदसौर, 19 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा की उत्तरपुस्तिकाओं का दूसरे चरण का मूल्यांकन कार्य जारी है। 22 फरवरी से शुरू हुए मूल्यांकन कार्य में अब तक 60-65 प्रतिशत उत्तरपुस्तिकाएं जांची गई है। मंडल के अधिकारियों का कहना है कि मार्च के अंत तक उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य पूरा होना था। लेकिन, नौवीं एवं ग्यारहवी की एक्जाम के कारण काम प्रभावित हुआ। क्योंकि, परीक्षा में शिक्षकों की ड्यूटी लगी। इधर माशिमं ने एक पत्र प्रदेश के सभी कलेक्टर को लिखा है। जिसमें कहा गया है कि मूल्यांकन कार्य में लगे कर्मचारियो को चुनाव कार्य से मुक्त रखा जाए।

यह कहा गया है कि मण्डल द्वारा आयोजित हाईस्कूल व हायर सेकेण्डरी परीक्षा वर्ष 2024 की परीक्षा में लगभग 19 लाख परीक्षार्थी सम्मिलित हो रहे है। जिनकी लगभग 1 करोड़ 25 लाख उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य जिले की समन्वय संस्था, मूल्यांकन केन्द्र पर विषय से संबंधित शिक्षकों के माध्यम से 22 फरवरी 2024 से निरंतर जारी है। उक्त मूल्यांकन कार्य यथाशीघ्र पूर्ण किया जाकर परीक्षाओं का परिणाम तय समय पर घोषित किया जा सके। अत: अनुरोध है कि उक्त स्थिति के दृष्टिगत हाईस्कूल, हायर सेकेण्डरी परीक्षा व मूल्यांकन कार्य में लगे अधिकारी, कर्मचारियों, शिक्षकों को लोकसभा निर्वाचन की ड्यूटी से मुक्त रखा जावे। ताकि मण्डल द्वारा आयोजित परीक्षाओं का कार्य सुचारू रूप से सम्पन्न हो सके एवं परीक्षार्थियों का परीक्षा परिणाम निर्धारित तिथियों में घोषित किया जा सके।

अप्रैल के तीसरे हफ्ते में परिणाम...

कुछ दिन पहले माशिमं के अधिकारी 15 अप्रैल तक बोर्ड परीक्षाओं का रिजल्ट जारी करने की संभावना जता रहे थे। लेकिन, अब उन्होंने इस समयसीमा को आगे बढ़ा दिया है। उनका कहना है कि अप्रैल के तीसरे हफ्ते के अंत तक रिजल्ट जारी हो सकता है। बता दें कि इस बार परीक्षा आयोजन में भी काफी सख्ती बरती गई। प्रदेश के 10वीं व 12वीं के करीब 17 लाख विद्यार्थियों की करीब एक करोड़ उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य चल रहा है। मंडल ने उत्तरपुस्तिका जांचने में करीब 25 हजार शिक्षकों की ड्यूटी लगाई है। इसमें 12वीं की कापी जांचने का काम प्राथमिकता से किया जा रहा है, ताकि परिणाम घोषित होने के बाद उत्तीर्ण विद्यार्थी कालेजों में प्रवेश प्रक्रिया में भाग ले सकें। हालांकि, सभी जिलों के समन्वयक केंद्रों में शिक्षकों को मूल्यांकन कार्य तेजी से करने के निर्देश दिए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट का सीएए नोटिफिकेशन पर रोक लगाने से इंकार, 9 अप्रैल को होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली, 19 मार्च। सुप्रीम कोर्ट द्वारा मंगलवार को सीएए के खिलाफ दायर की गई याचिकाओं के संबंध में सुनवाई की गई। जिसमें केंद्र सरकार को राहत देते हुए 3 सप्ताह में जवाब देने का समय दिया है। वहीं सीएए नोटिफिकेशन पर रोक लगाने से फिलहाल इंकार कर दिया है। अब अगली सुनवाई 9 अप्रैल को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में कहा कि 236 याचिकाओं में से कई याचिकाओं पर हमने नोटिस जारी किया है। हम बाकी याचिकाओं पर भी नोटिस जारी कर तारीख दे देते हैं। फिलहाल कोर्ट ने सीएए नोटिफिकेशन पर रोक वाली मांग की याचिका पर जवाब देने का समय मांगा है।

3 सप्ताह में केंद्र सरकार देगी जवाब...

नागरिकता संशोधन अधिनियम मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा है। इस पर याचिकाकर्ताओं की तरफ से इंदिरा जयसिंह ने इसे लागू करने पर रोक लगाने की मांग की और कहा कि इस मामले को बडी बेंच के सामने भेजा जाए। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद केन्द्र सरकार को राहत दी है। सीएए नोटिफिकेशन पर फिलहाल रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि 9 अप्रैल को मामले की अगली सुनवाई करेंगे और 3 हफ्ते के भीतर केन्द्र सरकार को जवाब देना होगा।

कपिल सिब्बल ने कहा नोटिफिकेशन पर लगाएं रोक...

इस मामले में जब कोर्ट ने पूछा कि केन्द्र सरकार कब तक जवाब दाखिल करेगी। तो सॉलिसिटर जनरल ने चार सप्ताह में जवाब देने का समय मांगा। इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि नोटिफिकेशन 4 साल 3 महीने बाद जारी हुआ हैं। ऐसे में नागरिकता देना शुरू हुआ तो उसे वापस लेना संभव नहीं होगा। इस कारण नोटिफिकेशन पर रोक लगाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को सिटीजनशिप दी गई है। अगर रोक नहीं लगाई गई तो इन याचिकाओं का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि चाहे किसी को नागरिकता मिले या ना मिले याचिकाकर्ताओं को इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है।

पॉम आइल नहीं आने से महंगा हुआ सोयाबीन तेल

मंदसौर, 19 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। एक सप्ताह के अंदर ही सोयाबीन तेल के दाम आठ रुपए तक बढ गए है। इससे रसोईघर में काफी असर पड़ा है। बताया जा रहा है कि बंदरगाहो पॉम ऑइल के जहांज नहीं उतरे हैं। जिसके कारण सोयाबीन तेल के दामों में तेजी आई है।

एक सप्ताह में 104 से 112 रुपए हुए भाव...

वैसे तो सोयाबीन तेल के भाव बढने का कोई कारण नहीं है, क्योंकि मंडी में सोयाबीन आ रही है और ऑइल मिल के पास स्टॉक भी है। लेकिन सोयाबीन तेल के भाव पॉम ऑइल की उपलब्धता पर निर्भर रहते हैं। मार्च की शुरुआत में विदेशों से आने वाले पॉम ऑइल के जहाज बंदरगाहों पर नहीं लगे हैं। ऐसे में आपूर्ति बाधित होने से सारा भार सोयाबीन तेल पर आ गया है। इसके चलते 15 फरवरी के बाद से भाव बढ़ाना शुरू हो गए थे। 10 मार्च से अचानक भाव में उछाल आया। यही कारण है कि पिछले सप्ताह थोक में 104 रुपए किलो वाला सोयाबीन तेल 112 रुपए पहुंची मन तक पहुंच गया है। बंदरगाह पर पॉम ऑइल के जहाज लगने पंचनामा के बाद भाव में कमी आएगी। फिलहाल भाव कम होने के आसार नहीं है।

पिछले साल सोयाबीन की बंपर पैदावार और विदेशों से पॉम ऑइल की आवक के कारण सोयाबीन तेल के भाव में त्यौहारी सीजन को छोड़कर सालभर तेजी नहीं रही। भाव 90 - 100 रुपए किलो के आसपास ही रहे थे। वहीं इस साल फरवरी के मध्य से भाव में मामूली तेजी आना शुरू हो गई है। मार्च में सोयाबीन तेल के थोक भाव में करीब 8 रुपए किलो का उछाल आ चुका है। व्यापारियों के अनुसार विदेशों से आने वाले पॉम ऑइल के जहाज बंदरगाह पर नहीं लगे हैं। इसके चलते सोयाबीन तेल की खपत बढने के कारण भाव में तेजी हो रही है। 10 मार्च को थोक में 104 रुपए किलो बिकने वाला सोयाबीन 18 मार्च को 112 रुपए प्रतिकिलो पर पहुंच चुका है। माह के अंत तक भाव काबू होना मुश्किल है।

सोयाबीन का उपयोग ज्यादा...

गरीब से लेकर मध्यमवर्गीय परिवार किचन में सबसे ज्यादा सोयाबीन तेल का उपयोग कर रहा है। इसलिए खपत ज्यादा है। थोक व किराना व्यापारियों के अनुसार मार्च 2023 में सोयाबीन तेल के थोक भाव 120 से घटकर 112 रुपए किलो हो गए थे। अप्रैल से 15 जुलाई 2023 तक भाव 90 से 102 रुपए के आसपास रहे। जुलाई के अंत में तेजी आई और भाव .... शेष पेज 4 पर

एनडीए प्रमुख भाजपा को तकलीफ दे रहे हैं इलेक्टोरल बांड, ईडी, इनकम टैक्स और भ्रष्टों से समझौता..!

मंदसौर/उज्जैन, 19 मार्च गुरु एक्सप्रेस। भारतीय नागरिकों के अंतर मन से उनके विषयों को उजागर कर सिर्फ उन्हीं पर काम करने और देश की नीतियों को तब्दील कर उनके मन का भारत बनाने का दावा करके भाजपा ने आमजन के मन से सिर्फ कांग्रेसी ही नहीं कम्युनिस्ट विचारधारा को भी डि लीट करने का काम बखूबी योजना बनाकर लगभग सफलता से कर लिया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी अपने सहयोगी राजनीतिक संगठन से यही चाहता था। बस ऐसा करने की दृढ इच्छा शक्ति रखने वाले नेतृत्व की जरूरत थी। संघ को इसी तरह का नेतृत्व मिलने की शुरुआत नरेंद्र मोदी के रूप में गुजरात से शुरू हुई थी, वह भी डबल इंजन की शक्ति के साथ। गुजरात कार्यकाल में जैसे ही संघ की वैचारिक प्रयोगशाला के सभी प्रयोग को समाज से लेकर जमीन तक विरोधियों और सभी अवरोधों को पार करते हुए सफलता से उतारा था। इसी वैचारिक विध्वंस को भारतीय मूल के निवासियों के अंतर्मन में कुछ इस तरह से बोया गया कि उन्हें डबल इंजन नेतृत्व में अपना धर्म रक्षक समूह नजर आने लगा था। हालांकि, इसके लिए प्रचार, प्रसार और सतह पर सामाजिक वातावरण बनाने में जो कुछ भी करना पड़ा वह किया गया। इसके लिए संगठन और सरकार का करोड़ों रुपया खर्च होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

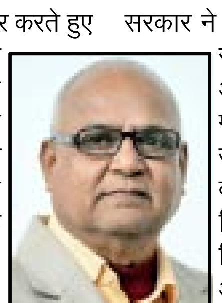

चन्द्रमोहन भगत

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिस वैचारिक क्रांति को सतह पर समाज में प्रत्येक व्यक्ति के मन पर इसका व्यापक असर देखना चाहता था। डबल इंजन सरकार ने येन केन प्रकारेण अपनी सरकार के सभी अस्त्र को अनेक क्षेत्रों में, अनेक राज्यों में, अनेक राजनीतिको पर उपयोग कर लगातार अपने दल को मजबूत बनाने के लिए लीक से हटकर भी किया और सफल भी हुए है। आज सरकार के आंकड़े और सामाजिक राजनीतिक दृश्य प्रमाणित भी कर रहे हैं।

2014 से भाजपा नेतृत्व की इस मुहिम में अपना एजेंडा लागू करने के लिए जो कुछ करना पड़ा था, सभी बैखोफ किया गया, किया भी जा रहा है। जाहिर है, इस मुहिम को सफल बनाने के लिए शासकीय अस्त्रों के अलावा धन का भी उपयोग किया गया होगा। इसे जुटाने के लिए ही इलेक्टोरल बांड की शुरुआत हुई थी। पर, सबसे ज्यादा धनराशि भाजपा को मिली थी। इसलिए आलोचना भी सहना पड़ रही है। बांड से चंदा सभी राजनीतिक दलों को मिला है, पर भाजपा को देने वालों में कुछ दागदार संस्थाओं के नाम सामने आ रहे है। जिन्होंने परेशानी बढ़ा रखी है। यह शाश्वत भी है कि लोकसभा चुनाव चल रहे हैं और बहुत से विपक्षी दलों का इंडी गठबंधन भाजपा के इन्हीं मुद्दों को सार्वजनिक हथियार बनाकर उपयोग कर रहा है। विपक्षी दलों के साथ कुछ आर्थिक, सामाजिक, वैश्विक राजनीति के जानकार भी भाजपा के खिलाफ यूट्यूब के सहारे सरकारे गिराने, प्रमाणित भ्रष्टाचारियों को साथ लेकर सरकार बनाने, ईडी, इनकम टैक्स की छापेमार कार्रवाई मे सरकार से समझौता करने वालों को राहत, न करने वालों को कड़ी कार्रवाई जैसे मामलों को जनमत के अंतर्मन में उसी तरह से पिरो रहे हैं। जैसे बीते सालों में भाजपा ने कांग्रेस और कम्युनिस्ट विचारधारा को अपने वैचारिक और शासकीय अस्त्र से डिलीट कर पंगु बना दिया था।

यह मुद्दे भाजपा को कितनी हानी पहुंचाएंगे, समय के गर्भ में है। किन्तु, इस लोकसभा के चुनावी रण के पहले सभी देख रहे हैं कि भाजपा की सेना में विचार युद्ध लड़ने वाली, वैचारिक अस्त्र चलाने वाली विश्व की सबसे बड़ी, आधुनिक शस्त्रों से लैस आईटी ब्रिगेड है। जिसे गुजरात से लेकर दिल्ली तक की सरकार बनाने का दस सालों का अनुभव भी है। इसीलिए भाजपा इस चुनावी रण में निश्चित भी नजर आ रही है।

कितनो की तकदीर बनाना है आपको,
कितनो को रास्ता दिखाना है आपको ।
मत देखिये अपने हाथो की लकीरो को,
इन लकीरो से भी आगे जाना है आपको ।।
पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता, सबके चहेते, निष्ठावान, कर्मठ भाई साहब
आद. श्री नरेन्द्रजी नाहटा
को आज जन्म दिवस पर

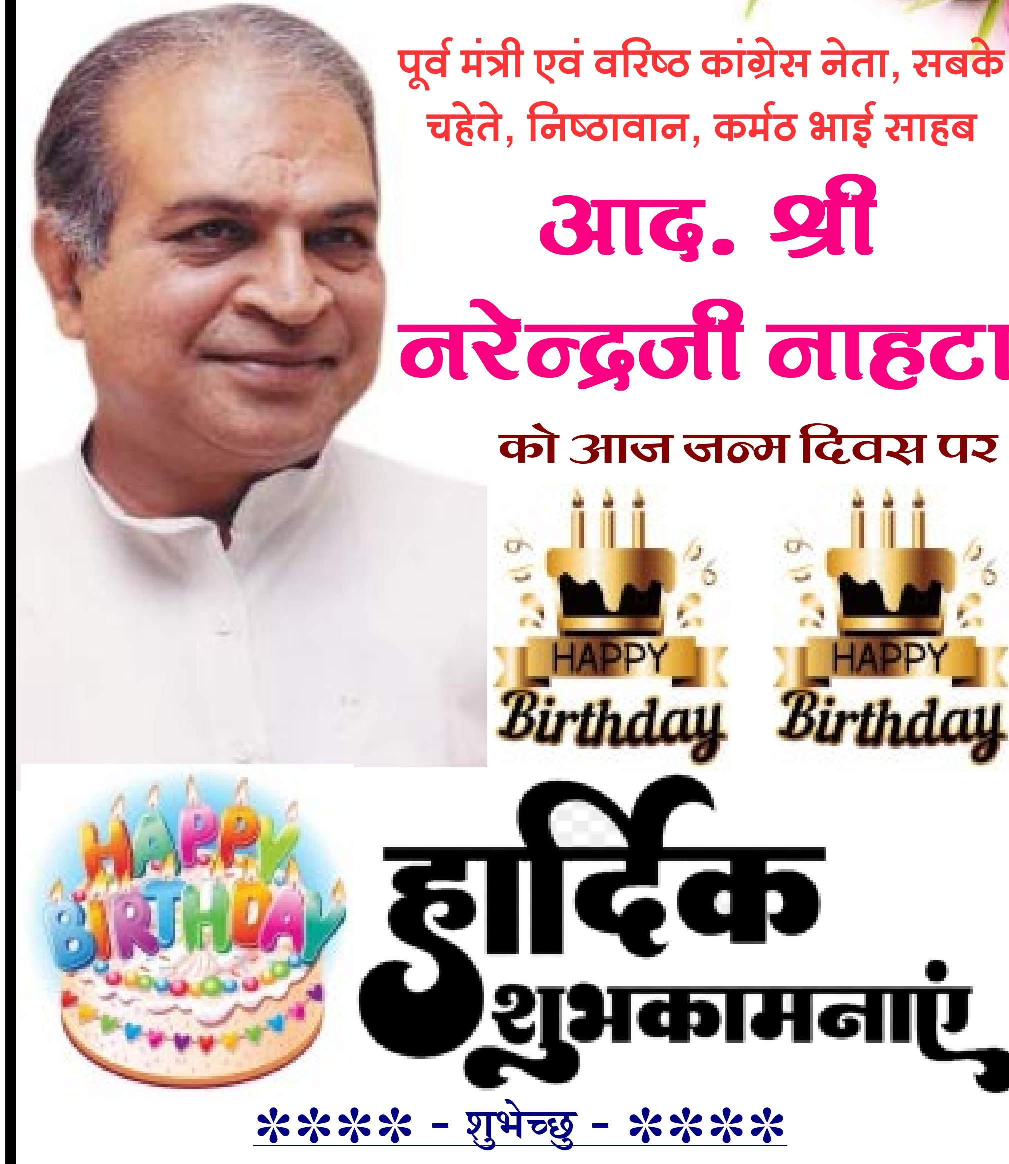

हार्दिक शुभकामनाएं
**** - शुभेच्छु - ****
सोमिल नाहटा मित्र मंडल, मंदसौर

विचार-मंथन

लोकतंत्र के लिए खतरनाक है दलबदल की सुनामी

पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी में गए। मिलिंद देवड़ा भी शिंदे की शिवसेना में गए। एक और पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार ने निराश हो कर कांग्रेस तो छोड़ दी, पर किसी पार्टी में गए नहीं।

अर्से तक केंद्र में भी मंत्री रह चुके मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ तो भाजपा में जाते-जाते रुक गए, लेकिन कांग्रेस छोड़ने वाले कांग्रेसियों की फेहरिस्त लंबी होती जा रही है। नेहरू-गांधी परिवार के करीबी तक मुश्किल वक्त में साथ छोड़ने में संकोच नहीं कर रहे। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा समापन की ओर है, पर इससे भी कांग्रेस का बिखराव थमने के बजाय और तेज होता नजर आया। ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद और आर.पी.एन. सिंह जैसे नामों वाली फेहरिस्त में महाराष्ट्र के मिलिंद देवड़ा, अशोक चव्हाण और मध्य प्रदेश के सुरेश पचौरी तक जुड़ चुके हैं। 2014 में केंद्र की सत्ता से हटने के बाद ज्यादातर राज्यों की सत्ता से भी बेदखल कांग्रेस की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रहीं। देश की सबसे पुरानी पार्टी में दलबदल की जैसे सुनामी आई हुई है, उसकी मिसाल मिलना मुश्किल है। जब पीढ़ियों से कांग्रेसी रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री तक हाथ का साथ छोड़ रहे हैं, तब ऐसे पूर्व सांसद और पूर्व विधायकों की गिनती कर पाना भी आसान नहीं, जिन्होंने सत्ता राजनीति की हवा के साथ-साथ रास्ता बदल लिया। आदर्श घोटाले में बदनाम हुए अशोक चव्हाण को कांग्रेस महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनाने से ज्यादा क्या दे सकती थी? मिलिंद और उनसे पहले उनके पिता मुरली देवड़ा को भी केंद्र में मंत्री बनाया ही था। सुरेश पचौरी कभी जनाधार वाले नेता नहीं रहे, पर जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब उनकी गिनती बेहद ताकतवर मंत्रियों में होती थी। जनाधारविहीन गुलाम नबी आजाद भी दशकों तक कांग्रेस आलाकमान का अंग माने गए। ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद और आर.पी.एन. सिंह तो टीम राहुल के सदस्य ही माने जाते थे। जब संकट में ऐसे साथी भी साथ छोड़ जाएं, तब पिछले दिनों गुजरात और अरुणाचल में विधायकों तथा राजस्थान में 2 पूर्व मंत्रियों, एक पूर्व सांसद और 5 पूर्व विधायकों का कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हो जाना ज्यादा नहीं चौंकाता, पर रिश्ता तोड़ने के लिए जैसे कारण बताए जा रहे हैं, वे हास्यास्पद ज्यादा हैं। राजस्थान में एक पूर्व मंत्री ने कहा कि अशोक गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री तो बनाया गया, पर ट्रांसफर का अधिकार नहीं दिया गया। ट्रांसफर-पोस्टिंग कितना बड़ा कारोबार बन चुका है सभी जानते हैं, पर यदि जनता के हित में मंत्री जी को यह दर्द था तो तभी क्यों नहीं मंत्री पद और पार्टी से इस्तीफा दे दिया? राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने टिप्पणी की कि जो नेता छोड़कर जा रहे हैं, उन्हें कांग्रेस ने पहचान दी, केंद्र और राज्य में मंत्री बनाया, पार्टी में बड़े पदों पर बिठाया, लेकिन मुश्किल वक्त में वे पार्टी छोड़ कर भाग रहे हैं। ऐसी टिप्पणी पहली बार नहीं आई है। जब भी किसी बड़े नेता ने पार्टी छोड़ी है, कांग्रेस ने बताया है कि उसे क्या-क्या दिया गया। बेशक दिया होगा, पर फिर सवाल उठते हैं क्या जो कुछ दिया, वे उसके लायक नहीं थे? लायक नहीं होने पर भी दिया तो देश, प्रदेश या पार्टी के हितों से खिलवाड़ क्यों किया? अगर लायक होने के चलते दिया, तो अब अहसान जताने का क्या अर्थ? वैसे सवाल यह भी उठता है कि नेताओं को पहचान देने का दावा करने वाली कांग्रेस को क्या खुद अपने नेताओं की सही पहचान नहीं? ये सवाल तब और भी महत्वपूर्ण हो जाते हैं, जब आंकड़े बताते हैं कि 2014 के बाद से बड़ी संख्या में दलबदल करने वाले कांग्रेसियों में 35 प्रतिशत के आसपास तो सांसद-विधायक ही शामिल रहे। इनमें से 35 प्रतिशत विधायक भाजपा में गए। 20 प्रतिशत के आसपास कांग्रेस के चुनावी उम्मीदवारों ने भी पार्टी छोड़ी। वैसे तथ्य यह भी है कि कांग्रेस छोड़ने वाले सभी नेता भाजपा में नहीं गए। मसलन, महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष रहीं सुष्मिता देव और फिल्म अभिनेता से राजनेता बने शत्रुघ्न सिन्हा ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस में गए। पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी में गए। मिलिंद देवड़ा भी शिंदे की शिवसेना में गए। एक और पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार ने निराश हो कर कांग्रेस तो छोड़ दी, पर किसी पार्टी में गए नहीं। ऐसा भी नहीं कि भाजपा पर अपने नेताओं को साम-दाम-दंड-भेद से तोड़ने के आरोप लगाने वाली कांग्रेस दूसरे दलों के नेताओं को अपने दल में शामिल नहीं करती। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले पूर्व भाजपाई हैं। दरअसल राजनीति में सत्ता लोलुपता एक वास्तविकता है।

श्रेष्ठ भारत के लिए 370 सीट जरूरी!

एस सुनील

प्रधानमंत्री ने 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का जो लक्ष्य तय किया है उसे प्राप्त करने के लिए अनेक ऐसे फैसले करने होंगे, जिनके लिए संसद में दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होगी। भारत को उसका प्राचीन गौरव लौटाने, उसकी महानता वापस दिलाने और आजादी की सौवीं वर्षगांठ तक यानी 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए एक बेहद मजबूत सरकार की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने 370 सीटों का लक्ष्य घोषित करते हुए एक विशेष प्रतीक का इस्तेमाल किया है। तीन सौ से ज्यादा सीटों के बहुमत वाली उनकी सरकार ने जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देकर उसे अलग थलग करने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को समाप्त किया था। इसलिए उन्होंने लोकसभा चुनाव 2024 में 370 सीटों का लक्ष्य तय किया ताकि लोगों को याद रहे कि उनकी पूर्ण बहुमत वाली मजबूत सरकार ने कैसे एक ऐतिहासिक गलती को सही किया था। उन्होंने खुद कहा भी कि उनकी सरकार ने 370 खत्म किया है तो देश की जनता इतनी सीटें तो उनके टीके में यानी शगुन के तौर पर दे ही सकती है। यह देश के लोगों से एक अपील भी है कि अब उनकी बारी है। देश के नागरिकों ने प्रधानमंत्री मोदी को जनादेश दिया तो उन्होंने उसे सर आंखों पर लिया और उस जनादेश का सम्मान करते हुए वो तमाम वादे पूरे किए, जो पिछले छह या सात दशकों से लंबित थे। लोग सवाल पूछते हैं कि 2014 में भी तो प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनी थी लेकिन तब क्यों नहीं वो सारे फैसले हुए, जो 2019 में दोबारा सरकार बनने के बाद किए गए? इन सवालों में ही इसका जवाब छिपा है। नरेंद्र मोदी जब पहली बार प्रधानमंत्री बने थे तब उन्होंने खुद स्वीकार किया था कि वे दिल्ली के लिए बाहरी और अनजान थे। दिल्ली के एक प्रबुद्ध और संपन्न तबके का सत्ता के हर प्रतिष्ठान पर कब्जा था। यह तबका एक खास इकोसिस्टम का प्रतिनिधित्व करता था, जिसमें उनका हित और अपने पुराने आकाओं का हित सबसे ऊपर था। वामपंथी रूझान वाले इस तबके से तमाम संस्थानों और प्रतिष्ठानों को मुक्त करना प्रधानमंत्री की पहली प्राथमिकता थी, जिसे उन्होंने पहले कार्यकाल में पूरा किया। वैधानिक व संवैधानिक संस्थाओं से लेकर प्रशासनिक और शैक्षणिक संस्थाओं में ऐसे संकल्पवान लोग नियुक्त हुए, जो इस देश की संस्कृति को जानते समझते थे और जिनके लिए राष्ट्र प्रथम था। पुराने राज का इकोसिस्टम बदलने के बाद ही प्रधानमंत्री मोदी ने दशकों से लंबित मामलों को हल करने का काम शुरू किया। इसकी शुरुआत 2019 के अगस्त में अनुच्छेद 370 की समाप्ति से हुई। उसके बाद तो एक के बाद एक अनेक फैसले हुए। नागरिकता कानून में संशोधन करके सीएए बनाया, जिसके जरिए तीन इस्लामिक देशों से प्रताड़ित होकर आने वाले गैर मुस्लिमों को आसानी से भारत की नागरिकता देने की व्यवस्था बनाई गई। यह एक बड़ा काम था, जो बहुत पहले हो जाना चाहिए था। इसी तरह अयोध्या में भव्य राममंदिर का शिलान्यास हुआ, मंदिर का निर्माण हुआ और सदियों से वनवास झेल रहे रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा भी हुई। देश के सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं का सम्मान और जीवन दोनों सुरक्षित रखने के लिए तीन तलाक को अपराध बनाने वाला कानून बना। अंग्रेजों के राज से चले आ रहे अपराध कानूनों को पूरी तरह से बदल दिया गया। आईपीसी, सीआरपीसी और इविडेंस एक्ट की जगह भारतीय समाज की जरूरतों के मुताबिक तीन नए कानून बनाए गए। बेकार होकर बोझ बन चुके डेढ़ हजार से ज्यादा कानूनों को समाप्त किया गया। अब देश भर में हर साल होने वाले चुनावों को खत्म करके 'एक देश, एक चुनाव' के विचार पर अमल की तैयारी हो रही है। इमरजेंसी के समय संविधान के साथ हुए छेड़छाड़ को भी दुरुस्त करने की जरूरत है। इन तमाम सामाजिक, कानूनी और संवैधानिक बदलावों के साथ साथ देश को आर्थिक विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाया गया। आज भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन चुका है, जो 10 साल पहले 11वें नंबर का देश था।देश को अब इससे भी आगे ले जाना है। प्रधानमंत्री ने 2047 तक भारत को विकसित बनाने का बेहद महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। उससे पहले 2027 तक भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बनाना है। देश और नागरिकों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही भारत का गौरव और उसकी श्रेष्ठता भी पुनर्स्थापित करनी है ताकि भारत वास्तविक अर्थों में सोने की चिड़िया बनने के साथ साथ विश्व गुरु भी बने। आर्थिक विकास हो तो ज्ञान की गंगा भी हो। इसके लिए कुछ बहुत बड़े फैसले करने की जरुरत है। भारत को गुलामी के तमाम प्रतीकों से मुक्ति दिलाने की जरुरत है ताकि देश के नागरिक जीवन के हर पक्ष में स्वतंत्रता का अनुभव कर सकें। अभी सिर्फ अयोध्या में भव्य राममंदिर का निर्माण हुआ है लेकिन अनेक ऐसे धर्मस्थल ऐसे भी हैं, जहां वैज्ञानिक सर्वे हो रहे हैं और पता चल रहा है कि आतातायी शासकों ने हिंदू धर्मस्थलों का अतिक्रमण किया था या उन्हें नष्ट किया था। इन सब धर्मस्थलों को मुक्त कराने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को ज्यादा बड़े बहुमत की जरुरत है। अदालत के आदेश से काशी-ज्ञानवापी, मथुरा-शाही ईदगाह और भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद के सर्वेक्षण का काम शुरू हुआ है। अदालत के आदेश से 31 साल के बाद ज्ञानवापी के तहखाने में पूजा शुरू हुई है। ऐसे तमाम धर्मस्थलों के रास्ते में 1991 का बना धर्मस्थल कानून बाधा है। इस कानून के दायरे से अयोध्या को बाहर रखा गया था तो वहां बिना किसी अड़चन के भव्य राममंदिर का निर्माण पूरा हो गया। लेकिन बाकी धर्मस्थलों की मुक्ति के लिए 1991 के धर्मस्थल कानून को बदलने की जरुरत होगी। लोकसभा में इसलिए 370 का बहुमत चाहिए ताकि धर्मस्थल कानून को बदला जा सके।

भाजपा के लिए अभेद्य दुर्ग बना हुआ दक्षिण

शैलेश कुमार

दक्षिण भारत के 5 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में लोकसभा की 130 सीटें हैं। भाजपा के 'चार सौ पार' जाने के लक्ष्य के सामने यही सबसे बड़ी चुनौती है। 2019 में भाजपा को दक्षिण से सिर्फ 29 सीटें मिली थीं। इनमें से भी 25 सीटें कर्नाटक से थीं। 2019 के चुनावों के समय कर्नाटक में भाजपा की सरकार थी और अब कांग्रेस सत्ता में है। भाजपा को 4 सीटें तेलंगाना में मिली थीं, यहां भी अब कांग्रेस की सरकार है। दोनों राज्यों में कांग्रेस ने भाजपा की जबरदस्त घेराबंदी कर रखी है। केरल, तमिलनाडु और आंध्र में भाजपा को अभी खाता खोलना बाकी है। भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती कर्नाटक और तेलंगाना में अपने 2019 के नतीजों को बरकरार रखना है। दक्षिणी राज्यों में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए भाजपा कांग्रेस और दूसरी पार्टियों से कई नेताओं को तोड़कर अपने साथ ले आई है। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा जैसे नाराज नेताओं को मना लिया है। फिर भी चुनौतियां कम नहीं लग रही हैं। कर्नाटक का युद्ध = दक्षिण में भाजपा के सबसे बड़े गढ़ कर्नाटक में कांग्रेस ने खुद को पिछले चुनावों के मुकाबले ज्यादा मजबूत कर लिया है। यहां कांग्रेस की सबसे बड़ी उपलब्धि 2 बड़े नेताओं, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिव कुमार के बीच के मतभेदों पर लगाम लगाना है। दूसरी तरफ भाजपा स्थानीय नेतृत्व के संकट से बाहर नहीं आ पा रही है। कर्नाटक में भाजपा को मजबूत बनाने में सबसे बड़ी भूमिका पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा की रही है। भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व उनकी कार्यशैली से लंबे समय से नाराज है, लेकिन जब-जब येदियुरप्पा को किनारे करने की कोशिश की गई तब-तब भाजपा को नुकसान हुआ। विधानसभा चुनावों से पहले, येदियुरप्पा को मुख्यमंत्री पद से हटाकर बसव राज बोम्मई को मुख्यमंत्री बनाया गया। बोम्मई को येदियुरप्पा की पसंद बताया जाता है। राज्य में तीसरे बड़े खिलाड़ी पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के बेटे कुमारस्वामी हैं जो कांग्रेस की सहायता से मुख्यमंत्री रह चुके हैं। पिछले विधानसभा चुनाव के बाद कुमारस्वामी का राजनीतिक ग्राफ नीचे आ गया। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा को राज्य की 28 में से 25 सीटें मिलीं और एक-एक सीट कांग्रेस, जे.डी.एस. और निर्दलीय ने जीती थी। इस बार परिस्थितियां बदली हुई हैं।

तेलंगाना की चुनौती: तेलंगाना एक राजनीतिक बदलाव के दौर से गुजर रहा है। राज्य की स्थापना के बाद से राजनीति पर हावी भारत राष्ट्र समिति (बी.आर.एस.) का दबदबा खत्म हो रहा है और कांग्रेस राज्य की सत्ता में वापस आ चुकी है। बी.आर.एस. नेता राज शेखर रेड्डी का जादू काम नहीं कर रहा है। 2019 के चुनावों में राज्य की 17 में से भाजपा को 4, कांग्रेस को 3, बी.आर.एस. को 8 और उसके सहयोगी ओवैसी की पार्टी को 2 सीटें मिली थीं। गौर करने लायक बात यह है कि भाजपा को करीब 20 प्रतिशत, कांग्रेस को 30 प्रतिशत और बी.आर.एस. को 44 प्रतिशत वोट मिले थे। कांग्रेसी मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने राज्य के राजनीतिक और सामाजिक समीकरण को बदलने की कोशिश की है।

किधर जाएगा आन्ध्र : आंध्र में भाजपा और कांग्रेस दोनों का कोई खास वजूद नहीं है। राज्य में 2 मजबूत क्षेत्रीय पार्टियां हैं। सत्तारूढ़ वाई.आर.एस. कांग्रेस और विपक्षी तेलुगु देशम। 2019 के लोकसभा चुनावों में वाई.एस.आर. कांग्रेस को 50 प्रतिशत वोट और राज्य की 25 सीटों में से 22 जबकि तेलुगु देशम को 40 प्रतिशत वोट और 3 सीटें मिली थीं। कांग्रेस को एक प्रतिशत से कुछ अधिक और भाजपा को एक प्रतिशत से भी कम वोट मिला था। इस बार भाजपा, तेलुगु देशम और अभिनेता पवन कल्याण की जन सेना पार्टी के बीच समझौता हो गया है। भाजपा को इसका फायदा मिल सकता है।

भाजपा का ईसाई दांव: केरल में पैर जमाने की कोशिश भाजपा लंबे समय से कर रही है। राज्य की आबादी में करीब 51 प्रतिशत हिंदू, 49 प्रतिशत ईसाई और मुसलमान हैं। मुसलमान आम तौर पर कांग्रेस और ईसाई वाम मोर्चा के साथ हैं। कुछ दिनों पहले भाजपा ने केरल में कांग्रेस के बड़े नेता ए.के. एंटनी के बेटे अनिल एंटनी को पार्टी में शामिल करके पार्टी के आधार को बढ़ाने की पहल शुरू की।

बड़ी समस्याओं से घिरते शहर में भी बेफिक्र सो रहे हम

हमारे प्रमुख शहरों के कुप्रबंधन की महागाथा के बारे में अब तक लिखे गए सबसे चिंताजनक लेखों में से एक इस सप्ताह सामने आया। यह लेख बेंगलुरु के जल संकट पर केंद्रित था। वेल लैब्स के दो शोधकर्ताओं, रश्मी कुलरंजन और शशांक पालुर द्वारा लिखित तथ्य व आंकड़ों से भरपूर लेख था। आंकड़े कभी-कभी शब्दों से भी ज्यादा जोर से बोलते हैं। सोचकर देखिए, कभी शहर की अच्छी तरह से प्रबंधित झील प्रणाली, जिसे आंशिक रूप से आवास परिसरों, मॉल और इसी तरह की इमारतों के लिए जगह बनाने के लिए पक्का कर दिया गया है, अभी भी 41,600 मिलियन लीटर पानी जमा कर सकती है, पर शोधकर्ताओं का अनुमान है कि शहर का 1,000 मिलियन लीटर सीवेज प्रतिदिन झीलों में छोड़ा जाता है, जिससे झीलों का जल उपयोग लायक नहीं रह जाता है। इस दुरुपयोग से बाढ़ का खतरा भी बढ़ जाता है। दोनों लेखकों ने लिखा है कि जब पाइप से जलापूर्ति शुरू की गई, तो झीलों ने अपना महत्व खोना शुरू कर दिया। बेंगलुरु की पानी की जरूरतें कावेरी नदी और हजारों बोरवेलों के पानी से पूरी होती हैं। स्थितियां बिगड़ रही हैं, पर ध्यान अधिक संख्या में बोरवेल खोदने पर है, न कि जल संरक्षण और बेहतर झील प्रबंधन पर। शहर के 11,000 सरकारी बोरवेलों में से लगभग दस प्रतिशत सूख चुके हैं। जिस हिसाब से धरती से जल खींचा जा रहा है, उस हिसाब से धरती में जल जाने नहीं दिया जा रहा है। यह आश्चर्य की बात नहीं है कि यह महत्वपूर्ण लेख वॉट्सएप यूनिवर्सिटी में बार-बार अग्रेषित नहीं हुआ। वास्तव में अपने संकट के प्रति उदासीनता भारत के महानगरों में व्याप्त संकटों को ही रेखांकित करती है, चाहे वह गंदी या खराब सड़कें हों, प्रदूषित हवा हो या खतरनाक परिवहन। नगर प्रशासन ने वर्षों से शहर के जल निकायों को नष्ट करने में सक्रिय भूमिका निभाई है और जिस तरह की आपदाओं से हम जूझ रहे हैं, उससे निपटने के लिए हमारी सरकार तैयार नहीं है। हम कमजोर लोग हैं और हमारे आपदा प्रबंधन कौशल अपरिष्कृत और खराब हैं। वैसे इन टिप्पणियों को आप बेंगलुरु ही नहीं, दिल्ली से भी जोड़कर देख सकते हैं। किसी संकट की स्थिति में जुगाड़ करने की हमारी बहुप्रचारित क्षमता अयोग्यता को छिपाने का तरीका मात्र है। सार्वजनिक संसाधनों को महत्व देने में कुछ कमी आ गई है। बड़े भवनों और मध्यमवर्गीय घरों में पानी की बेतहाशा बर्बादी से निपटने का एक आसान तरीका पानी के मीटर लगाना और इसके लिए शुल्क वसूलना है। अब जलवायु परिवर्तन और उसके साथ होने वाली अनियमित वर्षा ने बेंगलुरु के सामने संकट पैदा कर दिया है। दक्षिण भारत के सभी जलाशय बहुत निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। हमें दीर्घकालिक और विचारशील समाधानों की जरूरत है, पर पिछले एक हफ्ते में बेंगलुरु में राज्य सरकार और जल अधिकारियों ने खांटी तुगलकी आदेशों के साथ प्रतिक्रिया दी है। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि अगर लोग कार धोने या पौधों को पानी देने के लिए ताजे पानी का इस्तेमाल करते हैं, तो 5,000 रुपये का जुर्माना लग जाएगा। कोई भी पानी के मीटर और पानी के लिए शुल्क के बारे में बात नहीं कर रहा है, यह उस शहर में शायद ही आश्चर्य की बात है, जहां सरकार ने बिजली पर अंधाधुंध सब्सिडी दे रखी है।

सत्ता में आएंगे तो ईवीएम हटाएंगें: फारूक अब्दुल्ला

आज का राशिफल

मेष : [illegible]

वृषभ : [illegible]

मिथुन : [illegible]

कर्क : [illegible]

सिंह : [illegible]

कन्या : [illegible]

तुला : [illegible]

वृश्चिक : [illegible]

धनु : [illegible]

मकर : [illegible]

कुंभ : [illegible]

मीन : [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5180

		2		6	1			9
8		5	4				7	6
6		4						
		3		5	2			
			8		7			
			9	3		2		
						1		2
3	6				8	4		7
2			1	4		9		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5179

1	4	2	7	3	9	5	6	8
5	3	9	1	6	8	2	7	4
7	6	8	2	5	4	9	3	1
3	1	4	9	8	6	7	2	5
8	9	5	3	7	2	1	4	6
2	7	6	4	1	5	3	8	9
4	5	3	6	9	7	8	1	2
9	2	7	8	4	1	6	5	3
6	8	1	5	2	3	4	9	7

वर्ग पहेली 5180

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1923 को इस प्रख्यात [illegible] व भूतपूर्व केंद्रीय कानून मंत्री ने जन्म लिया था (7)
7. [illegible] (2)
8. आक्रमण करने वाला (5)
10. [illegible] (4)
11. असफल, विफल (5)
15. [illegible] (4)
16. [illegible] (2)
17. [illegible] (3)
18. [illegible] (4)
19. [illegible] (3)
22. [illegible] (2)
23. [illegible] (2)
24. [illegible] (2)

संकेत: ऊपर से नीचे

1. रामभक्त होने के कारण हनुमान का एक नाम, दक्षिण भारत के प्रसिद्ध महात्मा जो छत्रपति शिवाजी के गुरु थे (4)
2. [illegible] (3)
3. [illegible] (4)
4. [illegible] (संस्कृत) (2)
5. भारत की ओर से पहला शतक लगाने वाले क्रिकेटर (7)
6. [illegible] (2)
9. [illegible] (4)
12. [illegible] (2)
13. तीन घंटे का समय, पहर (2)
14. [illegible] (2)
16. हिंदी के बारह महीनों में से एक (2)
17. यह भारत की पहली [illegible] फिल्म थी, [illegible] (3)
20. [illegible] (2)
21. [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5179 का हल

सभी अधिकारी-कर्मचारी निष्पक्ष रहे, निष्पक्षता प्रदर्शित भी हो- जैन

कलेक्टर ने जिला अधिकारियों की बैठक में दिए निर्देश

नीमच, 19 मार्च गुरु एक्सप्रेस। लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत लागू आदर्श आचरण संहिता का सभी कडाई से पालन सुनिश्चित करें। स्वंतत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान के लिए यह जरूरी है, सभी अधिकारी कर्मचारी निष्पक्ष रहे और उनकी निष्पक्षता प्रदर्शित भी हो। यह निर्देश कलेक्टर एंव जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आदर्श आचरण संहिता के क्रियान्वयन एवं पालन संबंधी बैठक में सभी जिला अधिकारियों को दिये। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री गुरुप्रसाद, एडीएम सुश्री लक्ष्मी गामड, संयुक्त कलेक्टर श्री राजेश शाह, सुश्री प्रीती संघवी, सभी एसडीएम, जनपद सीईओ, नेशनल लेवल मास्टर टेनर डॉ.राजेश पाटीदार एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री जैन ने आदर्श आचरण संहिता के प्रमुख बिन्दुओं से अवगत कराते हुए कहा कि अधिकारीगण अच्छे से आयोग के निर्देशों का अध्ययन करलें। राजनैतिक दल या उम्मीदवार द्वारा चुनाव प्रचार में अन्य राजनैतिक दलों की नीतियों की आलोचना, कार्यक्रमों और कार्यों तर्क ही समिति होना चाहिए। व्यक्तिगत जीवन के ऐसे सभी पहलुओं की आलोचना नहीं करना चाहिए।जिसका संबंध अन्य दलों के नेताओं या कार्यकर्ताओं के सार्वजनिक क्रियाकलाप से न हो। मत प्राप्त करने के लिए जातीय या साम्प्रदायिक भावनाओं की दुहाई नहीं दी जानी चाहिए। साथ ही मंदिरों, मस्जिदों, गिरजाघरों या अन्य पूजा स्थलों का निर्वाचन प्रचार के लिए मंच के रूप में उपयोग नहीं होना चाहिए। बैठक में बताया गया कि जिले के संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर इन्टरनेट एवं वेब कैमरों के माध्यम से कडी निगरानी की जाएगी। मतदान के दिन इन केन्द्रों पर न केवल जिलास्तर से बल्कि मुख्य चुनाव आयुक्त तक हर गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। इसके लिए वेब कास्टिंग का कार्य करवाया जा रहा है। साथ ही बार्डर चेक पोस्ट पर भी सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे है। कलेक्टर ने सम्पत्ति विरूपण अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी देते हुए सभी से उनका पालन सुनिश्चित करने का आग्रह किया। कलेक्टर ने कहा कि जिला स्तरीय मीडिया मानिटरिंग कमेटी द्वारा प्रतिदिन राजनैतिक खबरों और विज्ञापनों की नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जायेगी है। यदि किसी समाचार पत्र में पेड न्यूज पाई गई तो समिति संज्ञान में लेकर उसका खर्च अभ्यर्थी या पार्टी के खाते में जोडेगी। इसके अलावा इलेक्ट्रानिक न्यूज चैनलों की मानिटरिंग के लिए भी दल गठित किए गए हैं। प्रिंट मिडिया, केबल नेटवर्क या न्यूज चैनल पर खबर या विज्ञापन देने से पहले अभ्यर्थी जिलास्तरीय समिति से प्रमाणन प्राप्त करना अनिवार्य होगा। मास्टर टेनर्स डा.राजेश पाटीदार ने आयोग के जारी निर्देशानुसार पीपीटी के माध्यम से आचरण संहिता के बारे विस्तार से जानकारी दी। डॉ.पाटीदार ने आयोग की पूर्वानुमति प्राप्त करने, वाहनों के उपयोग, पार्टी पदाधिकारियों के लिए वाहन की अनुमति, प्रचार में बाइक एवं झण्डे का उपयोग, रोड शो, स्कूल ग्राउण्ड एवं लोक संपत्ति का प्रचार के उपयोग पर प्रतिबंध, राष्ट्री य ध्वज, पार्टी ध्वज का उपयोग वाहनों पर लगने वाले बेनर, झण्डोंस के आकार एवं संख्याव, लाउड स्पीपकर का उपयोग, पम्पलेट पोस्टर आदि का मुद्रण, निजी संपत्ति का विरूपण, शासकीय संपत्ति का विरूपण, संपत्ति विरूपण हटाने के लिए समय सीमा आदि बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी।

मामला ग्राम रुण्डी में बच्चों के साथ पिता की आत्महत्या का...

कार्यवाही नहीं होने पर मृतक की पत्नी ने दी आत्महत्या की चेतावनी?

मृतक की अस्थियां अब तक शमशान घाट में, आड़े आ रही सामाजिक परम्परा

मंदसौर, 19 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिले के ग्राम रूण्डी निवासी प्रकाश बंजारा उम्र 35 साल ने अपनी बेटी सुमन उम्र 13 साल और बेटे विशाल उम्र 10 साल को पेड पर फंदा डालकर फांसी लगा दी। इसके बाद खुद भी फंदे पर झूल गया था। मामले में पुलिस ने राजू, राठौर, कालू, सोनू, गोविंद, लीलाबाई, नोजीबाई और गीताबाई सभी निवासी रुंडी के विरूद्ध प्रकरण दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया था। इस दौरान प्रशासन ने तीन दिन में आरोपितों के मकान तोडने का आश्वासन दिया था। लेकिन, अब तक यह कार्रवाई नहीं हुई हैं। जिसको लेकर मंगलवार को मृतक के परिजनों ने कलेक्टर दिलीप कुमार यादव से मुलाकात कर चर्चा की। उल्लेखनीय है कि परिजनों ने अब तक मृतक की अस्थिया भी सग्रहित नहीं की है।

मृतक के परिजन पत्नी नैनीबाई, मां सीताबाई, पिता सूरजमल बंजारा, वकील बंजारा ने बताया कि पहले प्रशासन ने तीन दिन में मकान तोडने का आश्वासन दिया था। इसके बाद 17 मार्च तक आरोपितों के मकान तोडने की कहा था। लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। अब प्रशासन कह रहा है कि मकान में सामान रखा है, उसका कौन जिम्मेदार होगा। इस मामले में न्याय की मांग लेकर कलेक्टर से मुलाकात की। नेनी बाई ने बताया कि मेरे पति और बच्चों की अस्थियां अब तक शमशान घाट में ही है। जब तक हमें न्याय नहीं मिलता हम उन्हें नहीं उठायेंगे। मृतक के परिजनो ने बताया कि आरोपियों में अभी भी कानून या पुलिस का कोई खौफ नहीं है। जेल के अंदर से भी वे हमारे पास धमकियों भरें संदेश जो भी मिलने जा रहा है, उनके माध्यम से पहुंचा रहे है। हम लोग बेहद परेशान हो चुके है। हमारी मांग यह है कि आरोपियों के अवैध मकानों को जल्द से जल्द तोडा जायें। नैनीबाई ने ज्ञापन में कहा कि यदि आरोपियों के मकानों को नहीं तोडा जाता है तो वह भी कलेक्टर कार्यालय के सामने आत्महत्या कर लेंगी।

सारी सोरना की प्रथा के चलते संग्रहित नही की अस्थियां...

बंजारा समाज की प्रथा है सारी सोरना । इस प्रथा के मुताबिक यदि किसी व्यक्ति की सामान्य मृत्यु होती है तो उसका अंतिम संस्कार हिंदू रीति-रिवाज के मुताबिक किया जाता है। असामान्य मृत्यु यानी आत्महत्या या हत्या की स्थिति में सारी सोरना का पालन किया जाता है। इसके मुताबिक मौत के लिए जिम्मेदार आरोपी ही अपने हाथों से अस्थियों का संचय कर इन्हें हरिद्वार ले जाते हैं और मुंडन कराकर पाप का प्रायश्चित करते हैं।

मां बोली- आरोपियों ने बहू के साथ जो किया, उससे बेटा सदमे में था...

प्रकाश की मां सिद्धा बाई का कहना है कि आरोपियों को फांसी की सजा होनी चाहिए। उनके घर पर बुलडोजर चलाने की कार्रवाई होनी चाहिए। तीन महीने पहले सातों आरोपियों ने मेरी बहू के साथ जो किया, वो बेहद शर्मनाक था। हमने उस घटना के बाद पुलिस थाने में रिपोर्ट भी की थी, लेकिन आरोपियों पर कोई भी कार्रवाई नहीं हुई। उसी घटना की वजह से मेरा बेटा सदमे में था। उसने बेटे और बेटी के साथ आत्महत्या जैसा कदम उठाया। हमने उनका अंतिम संस्कार करा दिया है, लेकिन अभी तक उनकी अस्थियां नहीं उठी हैं। 14 दिन बीत चुके हैं।

अवैध शराब के साथ 2 धराए

पिपलियामंडी, 19 मार्च गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने अवैध शराब के साथ आरोपियों को पकड़ा। नारायणगढ़ पुलिस ने 20 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब के साथ बादरी निवासी भेरुसिंह पिता रामसिंह को एवं मल्हारगढ़ पुलिस ने 10 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब के साथ मनासाखुर्द निवासी निर्भयसिंह पिता किशनसिंह राजपूत को पकड़ा। आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट में केस दर्ज किया।

भारती पाटीदार एवं सखी ग्रुप द्वारा मनाया फाग उत्सव

मंदसौर, 19 मार्च गुरु एक्सप्रेस। पहाड़ों पर टेसू ने रंग बिखेरे फागुन में... हर कदम पर बज रहे ढोल फागुन में.... ढोल की थाप पर थिरकते पैर फागुन में... महुआ गीत सुनाने लगे झूमने फागुन में..... आदि गीतों भजनों के साथ खाटू श्याम मंदिर परिसर में भजन कीर्तन के साथ फाग उत्सव मनाया गया।

फाग महोत्सव भारती पाटीदार व सखी ग्रुप द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर भारती पाटीदार ने बताया कि प्रति वर्ष हम यह फागुन उत्सव मनाते हैं इस वर्ष बाबा का आदेश था, तो हमने यह उत्सव श्री खाटू श्याम मंदिर पर आयोजित किया गया। उत्सव में राधाकृष्ण ने सबका मनमोहन लिया। भारतीय संस्कृति और लोक कलाओं के माध्यम से सभी बहनों ने बहुत ही सुंदर भजन कीर्तन के साथ आनंदमय फाग उत्सव मनाया। सभी ने एक दूसरे का गुलाल लगाकर व फूलों से स्वागत किया। महिला सशक्तिकरण के द्वारा यह संदेश दिया की सामाजिक समरसता से परिपूर्ण हम सब आपस में मिल जुलकर सनातन धर्म को और मजबूत करे। हमारी संस्कृति, हमारी परंपरा को जीवित रखें। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर, ज्योति सिंह चौहान, रीना पाटीदार ,तेज कुमार जी ,ललिता जी ,अनीता राठौर , मीना जी, किरण मावर, वर्तिका पारीक, रेखा सोनी, दीपमाला जी,सुनीता गुजरिया, रानू गुप्ता, नीता होतवानी सहित बडी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी।

लायंस क्लब को सोलहवां नेत्रदान प्राप्त हुआ

मंदसौर, 19 मार्च गुरु एक्सप्रेस। लायंस क्लब मंदसौर को इस सत्र का सोलहवां नेत्रदान प्राप्त हुआ। यह नेत्र माहेश्वरी समाज के युवा श्री विवेक भदादा के असामयिक निधन पर भदादा परिवार द्वारा प्रदान किये गये। नेत्रदान पत्रकार राहुल सोनी के प्रयासों से प्राप्त हुआ। नेत्र उत्सर्जन लायंस क्लब अध्यक्ष डॉ. मजहर हुसैन ने किये। इस अवसर पर लायंस क्लब अध्यक्ष डॉ. मजहर हुसैन सचिव प्रेम पाटीदार एवं प्रोजेक्ट चेयरमेन सीए विकास भण्डारी ने उपस्थित होकर श्री विवेक भदादा को विनम्र श्रद्धांजलि दी एवं शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया। लायंस क्लब ने सभी नागरिकों से अपील की है कि अपने परिवार, समाज में दिवंगत के नेत्रदान करे तथा इस हेतु सभी को प्रेरित करे। नेत्रदान के इच्छुक लायंस क्लब के पदाधिकारियों से सम्पर्क कर सकते है।

होली ही नही अब शवदाह भी कंडो से ही किया जाए...

पत्र संपादक के नाम
संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

मंदसौर, 19 मार्च गुरु एक्सप्रेस। बसंत पंचमी के बाद से ही शीत कम होती गई हे और अब देशवासियो का मन होलिका दहन उत्सव के लिए तैयार हो रहा हे। होली पर प्रतिवर्ष लाखो क्विंटल लकड़ी जलाना चिंताजनक हे। जबकि पुराने जमाने में घर घर से लकड़ी लेकर होलिका दहन की प्रथा थी। अब समय आ गया हे की प्रत्येक क्षेत्र को मिलाकर सामूहिक होलिका दहन किया जाए। दूसरा विकल्प यह भी हे की अपना देश कृषि और पशुधन की अपार संपदा से भरा पूरा हे। यन्हा पशुधन के बहुतायत में होने से पर्याप्त गोबर होता हे। मध्यप्रदेश गोपालन और संवर्धन बोर्ड के अनुसार मध्यप्रदेश में पशुधन से रोजाना 15 लाख किलो गोबर निकलता हे। इसलिए लकड़ी के स्थान पर कंडो की होली जलाकर एक सामाजिक सरोकार की पहल व्यापक तोर पर की जानी चाहिए। वैज्ञानिक आधार पर भी लकड़ी के स्थान पर कंडे से होलिका दहन के कई लाभ हे। इस बार की होली विशिष्टहो इसके लिए संपूर्ण समाज को अपनी भूमिका निभानी चाहिए। इसका स्पष्टकारण यह हे की आम जनमानस इस बार होलिका दहन में लकड़ी के स्थान पर गोबर से बने कंडो का प्रयोग करने को उत्सुक दिख रहा हे। यह बदलाव सामान्य नही बल्कि बहुत विशेष हे। क्योंकि इस एक बदलाव भर से परंपराओ का क्षरण हुए बिना पर्यावरण संरक्षण हो सकेगा। समाज को इस बदलाव को सहर्ष स्वीकार करना भी चाहिए। भारतीय संस्कृति का समृद्ध इतिहास कहता हे की जब जब जनमानस ने किसी बदलाव को आत्मसात किया हे वह सामाजिक आंदोलन बन गया हे और उस बदलाव में न तो हमारे उत्सवप्रिय भारतीय जनजीवन की परंपराएं समाप्त हुई और न ही अन्य कोई हानि हुई। उल्टे ऐसे क्रांतिकारी बदलावो से समाज, देश व धर्म का हित ही हुआ हे। कंडो की होली जलाना और उसमे लकड़ी का प्रयोग न करना इसी तरह की एक क्रांति हे। होलिका दहन ही नही बल्कि शव का दहन भी लकड़ियो से न करते हुए गोबर से निर्मित कंडो से किया जाना चाहिए। इस पहल को समाज की और से सहयोग मिले इसका सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिए। सभी धार्मिक और सामाजिक संगठनो को भी इस विषय पर जागरूकता बड़ाने का प्रयास करना चाहिए। आज भी देश में कुछ स्थान ऐसे हे जन्हा शवदाह कंडो से ही किया जाता हे। इससे एक तरफ तो गोमाता का स्वत: संरक्षण हो जाता हे और दूसरी तरफ वनो के कटाव में भी अपेक्षाकृत कमी आती हे। मोटे तोर पर एक शव के दाह में करीब डेढ़ से दो क्विंटल लकड़ी लगती हे और पांच लाख तक की आबादी वाले नगर में प्रतिदिन औसतन छ से सात शवदाह होते हे ऐसे में पूरे प्रदेश में केवल शवदाह में ही सैकड़ों क्विंटल लकड़ी प्रतिदिन जला दी जाती हे। यदि इस लकड़ी के स्थान पर कंडो से ही शवदाह किया जाए तो यह सैकड़ों क्विंटल लकड़ी तो बचेगी ही इसके स्थान पर जलने वाले हजारो कंडो के कारण उनकी खपत बड़ेगी। निश्चितरूप से इन कंडो की आपूर्ति गोशालाओ या ग्रामीण क्षेत्रो से होगी ऐसे में कंडो को खरीदने में लगा पैसा या तो गोशालाओ के पास पंहुचेगा या कमजोर आर्थिक स्थिति वाले ग्रामीणो के पास। निश्चितरूप से इससे गोमाता, किसानो, गोशालाओ, ग्रामीणों के भले के साथ साथ उस दिवंगत आत्मा और उसके परिवार को भी पुण्य मिलेगा। यह पहल परोपकारी एवम सराहनीय हे और भारत की संस्कृति के मूल विचार को वास्तविक सम्मान देती हुई हे। अब जिम्मेदारी सभी समाजो की हे की इस पहल पर गैर जरूरी प्रश्न न खड़े करते हुए इसके सहयोगी बने।

गौरव सोनी, मंदसौर

मंदसौर की हॉकी बालिकाओं ने जीता ब्रॉन्ज मेडल

मंदसौर, 19 मार्च गुरु एक्सप्रेस। शिवपुरी में आयोजित जूनियर राज्य स्तरीय बालिका हाकी प्रतियोगिता आयोजित की गई थी इस प्रतियोगिता में मंदसौर की हॉकी टीम ब्रोंज मेडल जीती यह जानकारी हॉकी मंदसौर के सचिव अविनाश उपाध्याय व अध्यक्ष कुलदीप सिंह सिसोदिया ने दी उन्होंने बताया कि इस लीग कम नॉक आउट प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश की प्रतिष्ठित 12 टीमों ने भाग लिया था जिसमें ग्वालियर, शिवपुरी, टीकमगढ़, शिरपुर, खरगोन, इंदौर, मंदसौर आदि शामिल थी। जिले के खेल अधिकारी विजेंद्र देवड़ा ने बताया कि यह सभी खिलाड़ी मध्य प्रदेश शासन द्वारा संचालित हॉकी फीडर सेंटर व केंद्र द्वारा संचालित खेलो इंडिया सेंटर मंदसौर के नियमित सदस्य हैं, इस प्रतियोगिता के हॉटलाइन मैच में छह के मुकाबले पांच गोल से मंदसौर ने टीकमगढ़ को हराया प्रतियोगिता की सर्वश्रेष्ठ स्कोरर का पुरस्कार मंदसौर की निशा बामनिया को मिला जबकि सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मंदसौर की ही खिलाड़ी आरती मंडावालिया को मिला प्रतियोगिता में मंदसौर के कोच के रूप में खेलो इंडिया एन आई एस कोच वैभव चौरसिया मौजूद थे, खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर इस उपलब्धि पर इस उपलब्धि पर हॉकी मंदसौर के संरक्षक यशपाल सिंह सिसोदिया, विशाल गोयल, त्रिभुवन कविश्वर, जिला खेल अधिकारी विजेंद्र देवड़ा, हॉकी मंदसौर एसोसिएशन के अध्यक्ष कुलदीप सिंह सिसोदिया, सचिव अविनाश उपाध्याय, कोच रवि कोपरगांवकर, दिनेश यादव, शैलेंद्र मसीह, खेलो इंडिया एन,आई,एस कोच वैभव चौरसिया, मीत चौहान, मंगल बैरागी, ओमप्रकाश गुर्जर, राजेंद्र सिंह, भरत सिंह, शासकीय महाविद्यालय मंदसौर के खेल अधिकारी राजू कुमार, शासकीय महाविद्यालय दलोदा के खेल अधिकारी अब्दुल रज्ज़ाक, सीनियर खिलाड़ी संजय तोमर, मनोज जैन, अंकित मंडोर, राकेश श्रीवास्तव, भारत देवड़ा, अजय सिंह गौड़, कमलेश शर्मा, शैलेंद्र परिहार, पिंटू आर्थर, डॉ हिमांशु यजुर्वेदी दुबेला क्लब के अध्यक्ष श्री विनय दूबेला, अमर क्लब के अध्यक्ष श्री भानु प्रताप सिंह सिसोदिया, आदि ने बधाई दी व उनकी उज्वल भविष्य की कामना की उक्त जानकारी हॉकी मंदसौर के जनसंपर्क अधिकारी जितेंद्र कनौजिया ने दी।

मतदाताओं को जागरूक करने के लिए दिलाई जा रही शपथ

मंदसौर, 19 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिले में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए शपथ दिलाई जा रही हैं। ''हम, भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतान्त्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे । तरह तरह की गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। यह गतिविधि हाट बाजार, मेलो, चौराहों पर की जा रही है। साथ मतदान केंद्रों पर जाकर ईवीएम को चलाना, मतदान का महत्व, लोकतंत्र का महत्व आदि के बारे में मतदाताओं को बताया जा रहा है। जिससे मतदाताओं में जागरूकता उत्पन्न हो।

415 पीएमश्री स्कूलों में खुलेगी अटल टिंकरिंग लैब, 112 के लिए 29 लाख की राशि स्वीकृत

भोपाल, 19 मार्च गुरु एक्सप्रेस। पीएमश्री योजना के तहत चयनित 415 सरकारी स्कूलों को सर्वसुविधायुक्त बनाने का काम शुरू है। इसके तहत पुस्तकालय, स्मार्ट कक्षा, प्रयोगशाला, खेल मैदान, भवन सहित कई सुविधाएं तो उपलब्ध कराई ही जाएंगी, स्कूलों में अटल टिंकरिंग लैब भी खोली जाएगी, ताकि कला के क्षेत्र में विद्यार्थी रचनात्मक कार्य कर सकें।

मध्य प्रदेश लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआइ) ने पहले चरण में 112 पीएमश्री स्कूलों में अटल लैब के लिए 29 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की है। इसमें एक स्कूल को 25 से 50 हजार रुपये तक मिलेंगे। अटल टिंकरिंग लैब का उद्देश्य गतिविधि आधारित शिक्षा के तहत विद्यार्थियों के बीच इनोवेशन, क्रिएटिविटी और वैज्ञानिक पहलुओं को बढ़ावा देना है। यहां आर्ट एंड क्राफ्ट की क्रिएटिविटी भी सिखाई जाएगी। लैब में थ्रीडी प्रिंटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स के नए तकनीकों से विद्यार्थियों रूबरू हो सकेंगे। राशि स्वीकृत हो चुकी है, पहले चरण में 112 पीएमश्री स्कूलों में अटल टिंकरिंग लैब खोली जा रही है। - डा. हेमंत शर्मा, पीएमश्री प्रभारी, डीपीआइ।

दांतोली में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

नीमच, 19 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिला कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन के मार्गदर्शन एवं जिला स्वीप नोडल अधिकारी जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद एवं एसडीएम श्री पवन बारिया के आदेशानुसार ग्राम पंचायत दांतोली के दूरस्थ ग्राम बोरखेडा में मतदाता जागरूकता के लिये विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। ग्राम बोरखेडा में आजीविका मिशन के महिला स्व-सहायता समूहों की दीदीयों को मतदान करने हेतु प्रेरित किया गया। नवीन मतदाता का सम्मान किया गया। बुजुर्ग मतदाताओं का सम्मान किया गया। दिव्यांयग वोटर का सम्मान कर उनको मतदान करने हेतु प्रेरित किया। मतदान प्रतिशत बढाने के लिये मतदान करने की शपथ भी दिलाई गई। जिस पर ग्रामवासियों को लोकसभा निर्वाचन में मतदान प्रतिशत बढाने का संकल्प पंचायत समन्वयक अधिकारी गोपाल परिहार जनपद पंचायत मनासा एवं विकासखण्ड प्रबंधक नरेन्द्र परमार, सहायक विकासखण्ड प्रबंधक कमल भुरिया, महेन्द्र अलावा, दीपक डावर म.प्र.डे, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा दिलाई गई। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सचिव आंगनवाडी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता आदि सभी से प्रतिदिन कार्यक्रम जैसे रंगोली प्रतियोगीता, मेहन्दी, रेली, स्कूलो में बचो की प्रतियोगिताएं आदि के अंतर्गत गतिविधि करने के निर्देश दिए गए। उक्त जानकारी देते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद मनासा श्री अरविन्द डामोर ने बताया, कि मतदाता जागरूकता का प्रचार प्रसार किया गया।

पोरवाल समाज द्वारा राजा टोडरमल जयंती मनाई

सुवासरा, 19 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नगर में पोरवाल समाज के आराध्य देव राजा टोडरमल जयंती महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाई गई । जयंती कार्यक्रम दो दिवसीय 17 मार्च एवं 18 मार्च को सुवासरा में समाजजन द्वार रखा गया था। जिसमें 17 मार्च को महिला मंडल द्वारा पोरवाल परिणय रिसोर्ट में गेम्स एवं बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं बच्चों के बाल मेले स्वरूप दुकान लगाई गई थी। पोरवाल युवा संगठन द्वारा 17 मार्च को शाम 6:00 बजे वाहन रैली नगर के मुख्य मार्गो से निकली गई। दूसरे दिन 18 मार्च को पोरवाल रिसोर्ट में राजा टोडरमल जयंती मनाई गई । चल समारोह में बैंड, बग्गी, ढोल, नगाड़ों के साथ नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए वापस पोरवाल परिणय रिसोर्ट पहुंचा । जहां अथिति श्री जगदीश चौधरी(अध्यक्ष पोरवाल चैरिटेबल ट्रस्ट मंदसौर), श्री राजेश सेठिया(अध्यक्ष नगर परिषद गरोठ), राजेश मुजावदिया (अध्यक्ष पोरवाल समाज उज्जैन), जगदीश गुप्ता (गुप्ता कंस्ट्रक्शन कंपनी इंदौर), सुश्री नेहा मुजावदीया (फाउंडर ऑफ़ Tutor Cabin Pat Ltd indor) अतिथियों का सम्मान किया। उसके पश्चात पोरवाल रिसोर्ट में आगामी निर्माण के लिए राशि की घोषणा पोरवाल समाज के वर्तमान अध्यक्ष रामचंद्र गुप्ता द्वारा 101000 एक लाख एक हजार की राशि रिसोर्ट निर्माण में दी गई। अतिथि जगदीश गुप्ता(गुप्ता कंस्ट्रक्शन)द्वारा 201000 की राशि प्रदान की गई। श्री जगदीश चौधरी (अध्यक्ष पोरवाल चैरिटेबल ट्रस्ट मंदसौर)द्वारा 101000 एक लाख एक हजार की राशि दी गई वहीं पोरवाल समाज के सचिव घनश्याम धनोतिया द्वारा 51000 हजार की राशि दी गई वहीं अनिल कुमार रमेशचंद्र धनोतिया(धनोतिया मेडिकल)द्वारा 51000 हजार की राशि समाज निर्माण में दी गई। अंत में आभार युवा संगठन अध्यक्ष भरत माँदलिया ने माना।

विश्व जल दिवस पर: हमारी नदियों के पुनर्जीवन की कहानी

मंदसौर, 19 मार्च गुरु एक्सप्रेस। इस वर्ष 'विश्व जल दिवस' का विषय 'शांति के लिए जल' है। जल का जीवन से गहरा संबंध है। जल के लिए संस्कृत शब्द आप: है, जिसका अर्थ प्रेम या प्रियजन भी है। सभी प्रमुख प्राचीन सभ्यताएँ नदियों के तटों पर पनपी हैं; भारत में गंगा और यमुना, मिस्र में नील नदी व दक्षिण अमेरिका में अमेज़न नदी। नदियों के साथ भारत का सांस्कृतिक संबंध बहुत गहरा है। भगवान राम ने अपना जीवन सरयू नदी के किनारे बिताया था। गंगा को भगवान शिव की जटाओं से निकलते हुई दर्शाया गया है और योगी सहस्त्राब्दियों से इसके तटों पर ध्यान करते रहे हैं। गंगा ज्ञान का प्रतीक है और यमुना भक्ति का प्रतीक है। भगवान कृष्ण के प्रति गोपियों का प्रेम और भक्ति, यमुना के तट पर विकसित हुई।

हमें अपनी नदियों को पुनर्जीवित करने के लिए हर संभव प्रयास करने की आवश्यकता है। इसमें आस्था मुख्य भूमिका निभा सकती है। आस्था लोगों को समुचित ढंग से कार्य करने और पर्यावरण, नदियों, पहाड़ों, जंगलों और पानी के अन्य स्रोतों की देखभाल करने के लिए प्रेरित कर सकती है। हमारे पास सर्वोत्तम नीतियां हो सकती हैं लेकिन उन नीतियों को जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए लोगों को अधिक जागरूक होने की आवश्यकता है और यहां आस्था पर आधारित संगठन एक बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

भारत में जल की प्रचुरता : जमीनी स्तर पर कार्य–विश्व में शांति और स्थिरता के लिए पानी की उपलब्धता बहुत महत्वपूर्ण है। हमने भारत में इसी दिशा में काम किया है। जमीनी स्तर पर लोगों को साथ लेकर, हमने 70 से अधिक नदियों को पुनर्जीवित किया, जो केवल राजस्व रिकॉर्ड पर मौजूद थीं। यहाँ सूखी नदियों के तलों का दोहन और अतिक्रमण किया जा रहा था; बाढ़ या महीनों तक सूखे के कारण या तो अतिरिक्त पानी बर्बाद हो गया, फसलें नहीं उगीं और किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। हर दिन आत्महत्या करने वाले किसानों की संख्या बढ़ती गई। बाहरी परिवर्तन लाने से बहुत पहले, परिवर्तन स्वयं के भीतर लाना होगा। जब आपका हृदय संवेदनशील हो जाता है, तो आप सेवा किये बिना नहीं रह सकते हैं। पिछले कुछ वर्षों में हमारे स्वयंसेवकों का समूह इसी तरह बढ़ा है। अपने भीतर अनुभव की गई संतुष्टि से प्रेरित होकर, उन्होंने दूसरों की सेवा करने और दूसरों को भी वही खुशी देने का निर्णय किया। हमारे स्वयंसेवक जमीनी स्तर पर गांवों में गए। उन्होंने लोगों को प्रेरित किया और भीतरी खुशी पाने और सबल बनने के लिए ध्यान, श्वास, योग और अन्य अभ्यास सिखाए। उन्होंने सैकड़ों भूमि पुनर्भरण कुएं बनाने के लिए उनके साथ काम किया, ताकि बारिश का पानी उनमें रिसना शुरू हो सके। हमने पुनर्वनीकरण की पहल की, बबूल जैसी जल-गहन प्रजातियों को हटाया और नदी के किनारे आम, पीपल जैसे स्वदेशी पेड़ लगाए।

यह एक चमत्कार घटने जैसा था कि भूमि सर्वेक्षण करने, पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण करने और पौधों की लाखों सही प्रजातियों को दोबारा लगाने के बाद, हमने हजारों जल निकायों को पनपते देखा, तालाबों का पुनरुद्धार किया गया और आज 5 भारतीय राज्यों में 70 सूखी नदियाँ पानी के साथ बारह महीने बह रही हैं। पक्षी वापस आने लगे हैं, और बादल भी वापस आने लगे हैं। पिछले मई में विदर्भ क्षेत्र से, जहां किसान सबसे अधिक आत्महत्याएं कर रहे थे, लगभग एक हजार किसान हमारे स्वयंसेवकों द्वारा किए गए कार्यों द्वारा लाए गए परिवर्तन के लिए धन्यवाद देने हमारे बैंगलोर आश्रम में आए। वे अब पहले से चार गुणा अधिक कमा रहे थे। दो साल से भी कम समय में 19,500 से अधिक गांवों को लाभ हुआ। जब कोई व्यक्ति सहज और तनाव से मुक्त होता है, तो वह संवेदनशील हो जाता है, वह सेवा करने में उत्सुक, साझा करने वाला और समाज के प्रति प्रतिबद्ध हो जाता है। यहां आस्था पर आधारित संगठन लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने, उन्हें प्रोत्साहित करने और सेवा करने के लिए प्रेरित करने, हमारी नदियों को पुनर्जीवित करने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं, जिससे चारों ओर समृद्धि, स्थिरता और शांति आएगी।

गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

गेहूँ उपार्जन के पंजीकृत किसानों से चर्चा कर 10 दिन में उपार्जन कार्य पूरा करवाएं-जैन

नीमच, 19 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिए पंजीकृत सभी किसानों को एसएमएस, मोबाईल संदेश एवं चर्चा कर उन्हेंग उपार्जन केंद्रों पर गेहूँ लाने के लिए प्रेरित कर 10 दिन में उपार्जन का कार्य पूरा करवाएं। यह निर्देश कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में समय-सीमा पत्रों के निराकरण की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में सहकारिता कृषि एवं खाद्य विभाग के अधिकारी को दिए। कलेक्टर श्री जैन ने निर्देश दिए कि सभी उपार्जन केंद्रों पर गेहूँ उपार्जन के लिए आने वाले किसानों की उपज के तौल, भण्डारण, उपार्जन केंद्रों पर छाया, पेयजल आदि की आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	10	2200	2460
उडद	3	5300	5300
सोयाबीन	2883	3800	4622
गैहु	10500	2250	2720
चना	1205	49000	5665
मसुर	162	5200	5841
धनिया	352	5520	8501
लहसुन	29000	4500	14000
मैथी	2100	4555	6410
अलसी	1329	4900	5291
सरसो	1028	4500	4902
तारामीरा	3	4500	4681
इसबगोल	30	9400	15300
प्याज	212	3350	1801
कलोंजी	22	17017	19000
डॉलर	27	7791	9501
तिल्ली	3	9901	9901
मटरसुखी	8	3200	5599
असालीया	231	6500	7110

नपा की कार्रवाई के आड़े आ रहे पशु प्रेमी..!

नपाध्यक्ष सहित जनप्रतिनिधि पहुंचे सुशासन भवन, कलेक्टर बोले-बैठक कर बीच का रास्ता निकालेंगे

मंदसौर, 19 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। भानपुरा में कुत्तों के हमले से हुई मौत की घटना के बाद कुत्तों को पकड़ने और वैक्सीनेशन का काम मंदसौर में नगर पालिका ने शुरु किया है। अभी तक एक हजार कुत्तों की वैक्सीनेशन नपा कर चुकी है। लेकिन, अब पशु प्रेमी इस कार्रवाई के आड़े आ रहे हैं। स्थिति यह है कि हर तरह के कुत्तों के गले में पट्टा डालकर उन्हें पालतू का टेग लगाया जा रहा है। जिससे नपा कर्मी उन्हें नहीं पकड़े। पशु प्रेमी नगरपालिका के जनप्रतिनिधियों पर आरोप प्रत्यारोप भी कर रहे हैं। जिससे परेशान जनप्रतिनिधि कलेक्टोरेट पहुंचे। यहां कलेक्टर दिलीप कुमार यादव को एक आवेदन दिया। इस मामले में कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने बताया कि पशु प्रेमियों और जनप्रतिनिधियों-अधिकारियों के साथ 22 मार्च को बैठक कर बीच का रास्ता निकाला जाएगा। जिससे, लोगों को भी कुत्तों से हानी नहीं हो और पशुओं को भी नुकसान नहीं हो।

भानपुरा में विगत दिनों कुत्तों के हमले से 11 साल की बच्ची की मौत हो गई। इसके अलावा रोजाना लोग कुत्तों के शिकार हो रहे हैं। लोग शहर में कुत्तों की भरमार से परेशान हो चुके हैं। इधर नगरपालिका ने कार्रवाई शुरु की तो पशु प्रेमी बीच में रोडा बन रहे हैं। इससे कर्मचारी खुद ही परेशान हो चुके हैं। कार्रवाई में पशु प्रेमी रोडा बन रहे हैं। अधिकारियों जनप्रतिनिधियों का कहना है कि कुत्तों को वैक्सीन लगाकर सुरक्षित स्थान पर छोड़ा जा रहा है। नगरपालिका अधिकारी और जनप्रतिनिधि भी मुहिम के बीच आ रहे पशु प्रेमियों से परेशान है। यहीं कारण है कि मंगलार को नगरपालिका अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर, उपाध्यक्ष नम्रता चावला सहित अन्य पार्षदगण कलेक्टोरेट पहुंचे। यहां

कलेक्टर दिलीप कुमार यादव को इस समस्या से अवगत कराया।

रात में ज्यादा खतरा...

आवारा कुत्तों से सबसे ज्यादा खतरा बच्चों को हैं। घरों के बाहर या कॉलोनी-मोहल्लों में खेल रहे बच्चों को काटने की मामले हो रहे हैं। दोपहर के अलावा देर शाम और रात में खतरा ज्यादा बढ़ रहा है। रात में सुनसान सड़क पर दुपहिया वाहन चालकों के पीछे भागने वाले कुत्तों के कारण काटने के खतरे के साथ दुर्घटना की आशंका भी बढ़ रही है।

जबकि, आम आदमी कुत्तो से इसलिए बचने की कोशिश करता है कि उसे यह जानकारी होती है कि कुत्तों की लार में रैबीज नामक वायरस होता है। कुत्तों के दांत लगने से यह वायरस शरीर में प्रवेश कर जाता है। शरीर पर इससे होने वाले दुष्प्रभाव का असर तत्काल दिखाई देने लगे, यह जरूरी नहीं। इलाज नहीं कराने पर 20 साल में कभी भी वायरस सक्रिय हो सकता है। रैबीज वायरस के कारण मरीज हाइड्रोफोबिया हो जाता है। इसमें याददाश्त खोना, पानी से डरना, लोगों को काटना, इधर-उधर भागना जैसी हरकतें मरीज करते हैं। कुत्ते के काटने से मौत भी हो सकती है। चिकित्सकों का कहना है कि कुत्ते के काटने के मामलों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

इनका कहना...

शहर की जनता कुत्तों से परेशान है। बच्चों सहित लोगों को कुत्ते शिकार बना रहे हैं। लेकिर पशु प्रेमी शहर के पार्षदों सहित जनप्रतिनिधियों पर आरोप प्रत्यारोप कर रहे हैं। हम भी जीव प्रेमी है। सब मिलकर समस्या का समाधान ढूंढेगें।

रमादेवी गुर्जर, नपाध्यक्ष मंदसौर

भ्रांतियां फैलाकर आरोप प्रत्यारोप किया जा रहा है। आक्रामक कुत्ते निरंतर लोगों को शिकार बना रहे हैं। हम चाहते हैं पशु प्रेमी भी हमारी भावनाओं को समझे। सभी कुत्तों को नहीं पकड़ा जा रहा है। सिर्फ आक्रमक कुत्तों को पकड़ा जा रह है। संवेदनशीलता उन माता पिताओं के प्रति भी दिखाए, जिनके बच्चे कुत्तों का शिकार हो रहे हैं।

नम्रता चावला
उपाध्यक्ष, नपा मंदसौर

डिफिशियंट और अपात्र कॉलेजों के स्टूडेंट्स दे सकेंगे परीक्षा...

सरकारी नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थियों को राहत

मंदसौर, 19 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। हाईकोर्ट के आदेश से सीबीआई ने मध्यप्रदेश के 308 नर्सिंग कॉलेजों की जांच की थी। इनमें 65 नर्सिंग कॉलेज मान्यता के मानकों पर खरे नहीं उतरे थे। जबकि, 74 कॉलेजों में कई प्रकार की खामियां पाई गई। इसमें मंदसौर का सरकारी नर्सिंग कॉलेज भी शामिल था। ऐसे में यहां के विद्यार्थियों के भविष्य पर भी संकट खड़ा हो गया था। हालांकि, अब उन्हें राहत मिल गई है। मध्यप्रदेश में नर्सिंग स्टूडेंट्स को हाईकोर्ट ने बड़ी राहत दी है। जबलपुर स्थित मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने सीबीआई जांच में डिफिशियंट और अपात्र पाए गए कॉलेजों के स्टूडेंट्स को परीक्षा देने की सशर्त अनुमति दी है।

हाईकोर्ट के इस फैसले से करीब 45 हजार नर्सिंग स्टूडेंट्स परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। हाईकोर्ट का आदेश सत्र 2021-22 के छात्र-छात्राओं के लिए है। कोर्ट ने कहा है कि छात्र-छात्राओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए मौका दिया गया है। बशर्ते उन्हें परीक्षा में पास होना अनिवार्य है। अगर फेल हो गए, तो अपात्र कॉलेजों की तरह उन्हें भी अपात्र घोषित कर दिया जाएगा। इसके पहले, हाईकोर्ट के निर्देश पर पात्र नर्सिंग कॉलेजों में परीक्षा के टाइम टेबल जारी किए गए थे। जिसके बाद डिफिशियंट और अपात्र नर्सिंग कॉलेजों के स्टूडेंट्स ने भी परीक्षा में राहत देने की मांग की थी। लॉ स्टूडेंट एसोसिएशन की ओर से हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई थी। इस पर सोमवार को जस्टिस संजय द्विवेदी और जस्टिस अचल कुमार पालीवाल की विशेष युगल पीठ ने सुनवाई की।

यह शर्त भी रखी...

हाईकोर्ट ने आदेश में कहा है कि परीक्षा में बैठने की सशर्त अनुमति दी जा रही है। जिन छात्र-छात्राओं ने अध्ययन किया है या उन्होंने प्रशिक्षण लिया है। अगर वो परीक्षा में पास होते हैं, तो ही उन्हें आगे के लाभ मिलेंगे, अन्यथा वे अपात्र हो जाएंगे।

बता दे कि हाईकोर्ट ने पूर्व आदेश में सीबीआई जांच में अनसूटेबल पाए गए कॉलेजों के स्टूडेंट्स को भी अपात्र घोषित किया था। हाईकोर्ट ने आदेश में संशोधन करते हुए नए निर्देश जारी किए हैं। कुछ छात्र-छात्राओं और कॉलेजों की ओर से आवेदन पेश कर कोर्ट से मांग की गई थी कि स्टूडेंट्स के भविष्य और कोरोना काल में इनकी सेवाओं को ध्यान में रखते हुए उन्हें परीक्षा में सम्मिलित किया जाए।

इधर प्राइवेट कॉलेजों ने सत्र 2023-24 में प्रवेश व मान्यता प्रक्रिया के निर्देश हाईकोर्ट से चाहे थे। इस पर हाईकोर्ट ने कहा है कि चूंकि मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी जबलपुर ने सत्र 2023-24 को शून्य घोषित करने का प्रस्ताव शासन को भेजा है, जो लंबित है। इसलिए हाईकोर्ट ने सत्र 2023-24 की प्रवेश व मान्यता प्रक्रिया के संबंध में निर्णय के लिए गेंद सरकार के पाले में डाली है।

यह था नर्सिंग कॉलेज घोटाला...

मध्य प्रदेश में नर्सिंग घोटाला साल 2020 में सामने आया था। पता चला था कि स्टेट नर्सिंग काउंसिल ने ऐसे कॉलेजों को मान्यता दी हुई थी, जो या तो केवल कागजों पर चल रहे थे या किराए के कमरे में चल रहे थे। कई नर्सिंग कॉलेज किसी अस्पताल से एफिलिएटेड नहीं थे। इसके बाद मामला हाईकोर्ट पहुंचा। कोर्ट ने राज्य के सभी 375 नर्सिंग कॉलेजों की जांच सीबीआई को सौंप दी।

बिजली-खंभे के पास या बिजली लाइनों के नीचे होलिका दहन न करें

मंदसौर, 19 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने सभी बिजली उपभोक्ताओं तथा आम नागरिकों से सुरक्षित होलिका दहन के लिये अपील की है। कंपनी ने कहा है कि बिजली के खंभे, ट्रांसफार्मर या फिर बिजली की ऐसी लाइनें जिसमें विद्युत प्रवाहित होती है, उनके नीचे होलिका दहन न करें। लाइनों के नीचे होलिका दहन से दुर्घटना की संभावना सदैव बनी रहती है।मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने सभी ग्रामीण एवं शहरी उपभोक्ताओं से अपील की है कि होलिका का आयोजन और होलिका दहन बिजली लाइनों से कुछ हटकर अन्य स्थान पर ही करें। आग की लपटों से एल्यूमिनियम तारों एवं बिजली केबल के गलने, जलने और टूटने की संभावना सदैव रहती है। इनके टूटने या गिरने से कोई भी बड़ी अप्रत्याशित घटना घट सकती है। कंपनी ने सभी बिजली उपभोक्ताओं एवं नागरिक बंधुओं से अपील है कि होलिका दहन बिजली की चालू लाइनों, उपकरणों से दूर करें और प्रसन्नता से त्यौहार मनाये।

गुमशुदा पिता की तलाश की मांग

गुमशुदगी दर्ज करने के बाद पुलिस कर रही परिजनों को प्रताड़ित, पीड़ित पुत्र पुत्री पहुचे एसपी कार्यालय, लगाई गुहार

नीमच, 19 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिले के मनासा थाना अंतर्गत आने वाली कमला नेहरू कॉलोनी के निवासी देवानंद रैकवार 17 मार्च से लापता है जिसकी शिकायत पीड़ित परिजनों द्वारा मनासा थाने पर की गई है परंतु पुलिस द्वारा गुमशुदगी दर्ज होने के बाद गुमशुदा देवानंद को ढूंढने की बजाय पीड़ित परिजनों को प्रताड़ित कर धमकाया जा रहा है जिससे परेशान होकर मंगलवार को पीड़ित पुत्र पुत्री एसपी कार्यालय नीमच पहुंचे जहां उन्होंने एसपी अंकित जायसवाल को पूरे मामले से अवगत कराते हुए एक लेखी शिकायत प्रस्तुत की है जिसमें पीड़ित पुत्र पंकज रैकवार ने जानकारी देते हुए बताया कि वह अपने परिवार के साथ मनासा की कमला नेहरू कॉलोनी में निवास करते हैं और उनके पिता देवानंद रैकवार जिनकी लेथ इंजीनियर की दुकान है पिपलिया रावजी निवासी सुरेंद्र नाकोड़ा से मेरे पिता का लेनदेन होकर मेरे पिता सुरेंद्र नाकोड़ा से रुपए मांगते थे सुरेंद्र नाकोड़ा की मृत्यु हो चुकी है और उनकी दुकान अब उनका लड़का अंकित व सुरेंद्र का भाई अभय छाजेड संभलते है मेरे पिता देवानंद रैकवार द्वारा कई बार बकाया रुपए सुरेंद्र के परिवार से मांगे गए परंतु उनके द्वारा हमेशा टालमटोली की गई दिनांक 16 मार्च को भी मेरे पिताजी ने अंकित व उसके काका अभय से रुपए मांगे जिसको लेकर अंकित और अभय ने मेरे पिता के साथ जमकर मारपीट की उसके बाद मेरे पिता ने उक्त घटना घर पर आकर बताई और यह भी कहा कि मैं अब घर छोड़कर चला जाऊंगा, इसके बाद 17 मार्च की सुबह उनका स्कूटर और मोबाइल फोन अल्हेड फंटे पर मिला जिनकी गुमशुदगी मेरे द्वारा 17 मार्च को ही मनासा थाने पर दर्ज कराई गई उक्त घटना को चार दिन बीत चुके हैं परंतु मनासा पुलिस द्वारा मुझे व मेरे परिवार वालों को बार-बार फोन लगाकर थाने बुलाया जाता है और परेशान किया जा रहा है बार-बार एक ही बात की जा रही है कि तुम लोग पुलिस पर दबाव बनाने के लिए देवानंद को छुपा रहे हो जबकि मुझे व मेरे परिवार को मेरे पिता की कोई जानकारी नहीं है कि वह कहां है मेरी बहन इंदौर में अध्ययन रत है और मेरा भाई राकेश मानसिक रूप से विक्षिप्त है मेरी माता जी भी बीमार रहती है वहीं पुलिस द्वारा मारपीट करने वाले अंकित और उनके काका अभय के खिलाफ कार्रवाई न करते हुए हमें ही प्रताड़ित किया जा रहा है दिए गए ज्ञापन में पीड़ित पंकज रैकवार ने मांग की है कि उनके गुमशुदा पिता देवानंद को ढूंढा जाए और उनके साथ मारपीट करने वाले दोनों लोगों के खिलाफ कार्यवही कर रुपए दिलाए जाए।

कोई 12 साल में तो कोई 5 साल में भी दुकानों की बकाया प्रीमियम राशि जमा नहीं करवा पाए

अब इनकी जमा राशि होगी राजसात, दुकानों की पुन: नीलामी की कार्यवाही की जाएगी-राठौर

सुवासरा, 19 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नगर परिषद द्वारा बनाई गई विभिन्न शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की करीब 16 दुकानों की प्रीमियम राशि वर्षो से बकाया हे। परिषद ने कई बार दुकान मालिको को नोटिस भी भिजवाए लेकिन अपने रसूख के चलते ये दुकानदार राशि जमा नही कर परिषद को ठेंगा दिखा रहे है।

इतना ही नहीं कई रसूखदार तो इनमे ऐसे भी है जिन्होंने परिषद को अभी तक न प्रीमियम राशि जमा नही करवाई और ना ही परिषद को किराया दे रहे हे। इसके उलट उन्होंने दूसरे लोगो को किराए पर दुकानें दे दी। और लोगो से किराया वसूल कर रहे हे। परिषद अभी वित्तीय संकट से गुजर रही हे। नए विकास के कोई कार्य शुरू नहीं हो पा रहे हे। और पुराने जो विकास कार्य प्रारंभ हुए थे वे आर्थिक तंगी के कारण कई महीनो से बंद पड़े हे। परिषद के जिम्मेदार ने बकायादारों को कई बार नोटिस देकर अंतिम नोटिस भी दे दिए अब दुकानें राजसात करने की बात कह रहे हे। अब हम बात करते हे नगर के पुराना बस स्टैंड स्थित शहीद भगत सिंह कांप्लेक्स की प्रथम तल स्थित दुकानों की जहां वर्ष 2012- 13 में नीलामी हुई थी। इस कॉम्प्लेक्स की चार दुकानों की प्रीमियम राशि 12 साल बाद भी जमा नही हो पाई। परिषद की उदासीनता के चलते दुकान मालिक मजे मार रहे हे। इसके बाद परिषद के पास बनी करीब 24 दुकानों में से 6 दुकानों की पांच वर्ष से राशि जमा नही हुई। इसी तरह स्वामी विवेकानंद स्टेडियम के यहां बनी दुकानों में 12 दुकानों में से केवल 1 दुकान नीलाम हुई और उसकी भी राशि एक ठेकेदार ने अभी तक जमा नही करवाई। कुल 16 दुकानों की प्रीमियम राशि लगभग 43 लाख चौदह हजार सात सो पचास रुपए बकाया है। रसूखदार और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त लोगो ने अभी तक राशि जमा नही करवाई। परिषद को

शीघ्र ही इन बकायादारों पर राजसात की कार्यवाही करना चाहिए। जिससे की अन्य व्यक्ति जिसे दुकानों की आवश्यकता हे वो इन्हे खरीद सके।

परिषद की नीलाम हुई जिन दुकानों की प्रीमियम राशि जमा नहीं हुई हे उन्हें कई बार नोटिस दिया है लेकिन दुकानदारों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। अब इनकी राशि राजसात कर पुन: नीलामी की कार्यवाही की जाएगी।

संजय सिंह राठौड़
सी एम ओ नगर परिषद सुवासरा

रामपुरा व मनासा मंडल की बैठक संपन्न

मंदसौर/नीमच, 19 मार्च गुरु एक्सप्रेस। हमें अपने हर बूथ पर विजयश्री का पताका लहराना है। बूथ जीता तो चुनाव जीता की धारणा पर कार्य करना है। उक्त बात सांसद सुधीर गुप्ता ने रामपुरा व मनासा मंडल की बैठक के दौरान कही। मंगलवार को रामपुरा व मनासा मंडल की बैठक संपन्न हुई। सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं द्वारा कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में भाजपा प्रत्याशी व सांसद गुप्ता ने कहा कि मोदी सरकार ने विश्व में देश का मान बढ़ाया है। आज सभी भारत की ओर उम्मीदों की नजर से देख रहे है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने हर क्षेत्र व हर वर्ग का कल्याण के लिए कार्य किया है। आज देश में रेलवे हो या इंफ्रास्ट्रचर हो या फिर गरीब कल्याण के लिए अनेक योजनाएं। हमें योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना है। विधायक माधव मारू ने कहा कि सभी को अपने दायित्वों का पूर्ण रूप से निर्वहन करना है। सभी को हर बूथ पर भाजपा के पक्ष में मतदान करवाकर भाजपा प्रत्याशी सुधीर गुप्ता को विजय दिलानी है। भाजपा जिलाध्यक्ष पवन पाटीदार ने कहा कि कार्यकर्ताओं को अपनी पूरी ऊर्जा के साथ बूथ को जिताना है। क्योंकि बूथ जीता तो चुनाव जीता इस लक्ष्य को लेकर प्रत्येक कार्यकर्ता को कार्य करना है। बैठक को संबोधित करते हुए मंडल अध्यक्षों ने हर बूथ पर भाजपा को विजयी बनाने का संकल्प लिया। उन्होने कहा कि मोदी सरकार की हर बूथ पर भाजपा की जीत होगी। सभी को अपने-अपने दायित्व सौप दिए गए है। प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी तरह से जुट जाएं और भाजपा प्रत्याशी सुधीर गुप्ता को विजयी बनाकर एक बार फिर देश में मोदी सरकार बनानी है ताकि देश और संसदीय क्षेत्र का विकास का चक्र निंरतर चलता रहे। इसी के साथ ही सांसद सुधीर गुप्ता ने मनासा नगर में अधिवक्ता से संवाद कर चर्चा की। बैठक में कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष पवन पाटीदार, मनासा विधायक अनिरुद्ध माधव मारू, मंडल अध्यक्ष गोपाल गुर्जर, पूर्व जिलाध्यक्ष हेमंत हरित, मंडल अध्यक्ष कैलाश पुरोहित सहित अन्य वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पिता को पुत्र ने पीटा

पिपलियामंडी, 19 मार्च गुरु एक्सप्रेस। पुत्र ने पिता को पीटा, पुलिस ने केस दर्ज किया। पाडलिया मारु निवासी सत्यनारायण पिता शंकरलाल धाकड ने नाहरगढ़ थाने रिपोर्ट दर्ज कराई कि कुए पर शराब के नशे में बेटा दीपक आया, गाली-गलौज की व मापीट की। बीच-बचाव करने आई मेरी मां भंवरबाई को भी धक्का दे दिया। पुलिस ने आरोपी दीपक के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया।

महिला पीटा, केस दर्ज

पिपलियामंडी, 19 मार्च गुरु एक्सप्रेस। महिला से मारपीट करने वाले आरोपी के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया। पिपलिया चोकी पर पलेवना निवासी विधवा महिला मोहनबाई ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि गांव के उदयसिंह पिता जयसिंह सौंधिया ने शराब के नशे में घर आकर गाली-गलौज की, मारपीट की। लकड़ी से भी मारा, जिससे हाथ, पीठ व कान पर चोंटे आई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया।

पॉम आइल नहीं आने से...

पेज 1 से जारी

108 रुपए तक पहुंच गए। इसके बाद साल के अंत में भाव 105 रुपए किलो के आस-पास रहे। 15 फरवरी 2024 तक थोक भाव 96-98 रुपए किलो के आसपास पहुंच गए। इसके बाद भाव में मामूली तेजी देखने को मिली जो अब तक जारी है।

मेहरा को निर्वाचन कार्य में उदासीनता बरतने पर नोटिस जारी

नीमच, 19 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन व्दारा लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत निर्वाचन कार्य के सुचारू संपादन एवं निर्वाचन गतिविधियो के निर्वहन उदासीनता बरतने और वरिष्ठ के आदेशों की अवहेलना करने पर प्रभारी जिला कायर्क्र म अधिकारी महिला एंव बाल विकास श्री टी.सी.मेहरा को कारण बताओं सूचना पत्र जारी किया गया है, कि क्यों न उनके विरूद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा-167 के अधीन योग्यो वैधानिक कार्यवाही की जाए ? इस संबंध में श्री मेहरा को अपना स्पष्टीकरण कारण बताओ सूचना-पत्र की प्राप्ति से 03 दिवस में समक्ष उपस्थित होकर, प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। अनुपस्थिति अथवा स्पष्टीकरण प्रस्तुत न करने की दशा में उनके विरूद्ध एक पक्षीय योग्य वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। उल्लै खनीय है, कि लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत निर्वाचन कार्य के सुचारू रूप से संपादन एवं निर्वाचन गतिविधियों के त्व रित संचालन हेतु आदेश दिनांक 4 मार्च 2024 से श्री नितेश दुबे जिला समन्वचयक, महिला बाल विकास नीमच का संलग्नी4करण जिला निर्वाचन कार्यालय में किया गया था। किन्तु आदेश की तामीली के उपरांत भी आज पर्यन्तक संबंधित कर्मचारी को इस कार्यालय के लिए कार्यमुक्ते नही किया गया है। इस पर यह कारण बताओं सूचना पत्र जारी किया गया है।

आयकर विभाग केश ट्रांसफर की बहुत अच्छे से निगरानी करें-कलेक्टर

मंदसौर, 19 मार्च गुरु एक्सप्रेस। लोकसभा निर्वाचन 2024 जिला स्तरीय प्रवर्तन कार्यवाहियों की समन्वय बैठक सुशासन भवन स्थित सभागृह में आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक श्री अनुराग सुजानिया, सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, एडिशनल एसपी श्री गौतम सिंह सोलंकी, साथ ही नारकोटिक्स विभाग, आबकारी विभाग, आयकर विभाग, पोस्ट ऑफिस, रेलवे, वाणिज्कर विभाग सहित अन्य संबंधित

अधिकारी मौजूद थे।

बैठक के दौरान कलेक्टर श्री यादव द्वारा बताया गया कि कैश ट्रांसफर पर आयकर विभाग सघन निगरानी रखें। 10 लाख रुपए से अधिक के ट्रांजैक्शन की जांच की जाए। एक दिन में एक अकाउंट से ज्यादा अगर ट्रांजैक्शन होते हैं उसको भी देखा जाए। पुलिस अधीक्षक श्री सुजनिया द्वारा कहा गया कि सभी लोग मिलकर कार्यवाही करें। कैश ट्रांसफर को प्रतिदिन देखें। मतदाताओं को प्रभावित करने वाले कारकों में अवैध शराब बांटना, तस्करी, हथियार, नगदी, ड्रग, मोबाइल रिचार्ज, डोडा चूरा, खाद्यान्न देना, भोजन देना, लोन देना, पेड न्यूज शामिल है। लोकसभा चुनाव में अभ्यर्थी के खर्च की सीमा 95 लाख रुपए है। इसकी निगरानी के लिए वीएसटी टीम साक्ष्यों को रिकॉर्डिंग करेगी। उनकी जांच करेगी। खाना, वाहन, रैली जहा चल रहा है उसकी रिकॉर्डिंग करेगी। वहीं वीवीटी टीम कार्यों का अवलोकन करेगी और रिपोर्ट तैयार करेगी। लेखा टीम लेखा संधारण का संपूर्ण कार्य को देखती हैं। एफएसटी टीम विधानसभा अनुसार आचरण संहिता को उल्लंघन पर कार्यवाही करती है, वहीं एसएससी टीम नाकों पर कार्यवाही करेगी तथा सीजर का काम करेगी। धार्मिक आयोजन के कार्यक्रमों पर लगातार निगरानी की जाएगी। अभ्यर्थियों को अपने सेपरेट बैंक खाता खुलवाने होंगे। इसके लिए सभी बैंकों को विशेष तौर पर ध्यान रखना है। 10 हजार से अधिक के कैश लेन देन पर भी निगरानी रखनी होगी।

कलेक्टर जैन ने मतदान की शपथ दिलाई

नीमच, 19 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिले में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार स्वीय प्ला न के तहत मतदान प्रतिशत बढाने के उद्देश्य से विभिन्नं स्तचरों पर मतदाता जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इसी के तहत मंगलवार को जिला अधिकारियों की बैठक में सभी जिला अधिकारियों को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन ने सभी को आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत नैतिक मतदान करने और अन्यी मतदाताओं को भी नैतिक मतदान करने हेतु प्रेरित करने की शपथ दिलाई। इस मौके पर स्वीनप नोडल अधिकारी श्री गुरूप्रसाद, एडीएम सुश्री लक्ष्मीत गामड़, संयुक्त कलेक्टर श्री राजेश शाह, सुश्री प्रीती संघवी, सभी एसडीएम, जनपद सीईओ, नेशनल लेवल मास्ट्र टेनर डॉ.राजेश पाटीदार एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

महिला पंच ने अपने मानदेय व अपना सहयोग से स्कूल में भेट की पेयजल टंकी

मंदसौर, 19 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिले के मल्हारगढ विधान सभा क्षेत्र के जनपद पंचायत मंदसौर की ग्राम पंचायत अफजलपुर के वार्ड क्रमांक 2 पंच श्रीमती रुक्मणबाई पति रघुनाथ सिंह चंदेल गुर्जर निवासी अफजलपुर नई आबादी के प्राथमिक विद्यालय में पेयजल टंकी पंच मानदेय 850 रुपए और राशि अपने द्वारा मिलाकर पेयजल टंकी बच्चों के पानी पीने के लिए उपलब्ध कराई। उनका कहना है की लोकतंत्र में जीते हुए जनप्रतिनिधि को जनता की सेवा करना चाहिए।

मंदसौर जिले के अंतर्गत यह एक अनोखा मामला देखने में आया है जो एक लोकतंत्र में पंच का सबसे छोटा पद होता है जो अपना मानदेय राशि गांव के विकास में दी है। हमें महिला पंच से सीख लेना चाहिए।

खाटू श्याम भजन संध्या देर रात तक खूब जमीं

राजस्थानी भजन गायक कलाकार गोकुल शर्मा ने सांवरिया के भजनों पर खूब वाह वाही लुटी

नीमच, 19 मार्च गुरु एक्सप्रेस। म्हारा सांवरिया सिर मोर मीरा का नंद किशोर..., म्हारा सांवरिया सेठ कहां हो गया लेट मेरा सब काम करता सेट..., आदि विभिन्न करण प्रिय मधुर भजनों की प्रस्तुति दी तो उपस्थित जन सैलाब झूम उठा। अवसर था शहर के तिलक मार्ग स्थित श्री प्राचीन श्याम मंदिर पर पांच दिवसीय रंग रंगीला फाग महोत्सव की पावन श्रृंखला में श्री श्याम चैक पर सोमवार 18 मार्च रात्रि 10 बजे आयोजित खाटू श्याम भजन संध्या का। इस अवसर पर श्याम जगत के प्रख्यात भजन गायक कलाकार गोकुल शर्मा ने हारे का सहारा खाटू श्याम हमारा... श्याम भक्तों को खाटू नरेश से जुड़े एक से बढ़कर एक मधुर राजस्थानी और मेवाड़ी भजनों की प्रस्तुति दी जिस पर श्रोता मंत्र मुग्ध होकर झूम उठे।कार्यक्रम में गोकुल शर्मा ने श्रद्धालु श्याम भक्तों की मांग पर म्हारा बैंक मैनेजर बन जाओ प्यारा सेठ सांवरिया ... राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी मेरी झोपड़ी के भाग खुल जाएंगे राम आएंगे राम आए सबकी झोपड़ी के भाग खुल गए हैं घर-घर भगवा छाया है..., राम बनियों राजा राम, बनियों वकील ,जज ,बनियो तब जाकर राम मंदिर बनियों , तब राम मंदिर को फैसला आयों राम भक्ता के पक्ष में..., सांवरिया सेठ दे दे हरि कृपा दे दे...., भजन प्रस्तुत किया तो श्रद्धालु भक्त प्रसन्न होकर झूम उठे।श्रद्धालु भक्तों ने जय श्री श्याम जय श्री राम की जय घोष लगाई।

इसअवसर पर प्रत्येक भजन की प्रस्तुति पर तोप से गुलाब के फूलों की पुष्प वर्षा भी की गई। पंडाल गुलाब की खुशबू से महक उठा। भजन संध्या का विशाल मेगा स्क्रीन पर लाइव प्रसारण भी किया गया।भजन संध्या का भक्ति पांडाल आकर्षक विद्युत रोशनी से सजाया गया था।पहली बार किले की तरह आकर्षक प्रवेश द्वार भी बनाया गया। श्रद्धालु भक्तों के लिए ठंडा पानी की व्यवस्था भी की गई। फाग महोत्सव की श्रृंखला में खाटू श्याम बाबा मंदिर पर विभिन्न धार्मिक पूजा अर्चना भजन कीर्तन के साथ विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किया जा रहे हैं। प्राचीन खाटू श्याम मंदिर को दिल्ली और कोलकाता से मंगाए गए विशेष फूलों सेआकर्षक विद्युत साज सजा से श्रृंगारित किया गया। संध्या देर रात तक खूब जमीं।हजारों की संख्या में श्याम भक्त प्रेमी उपस्थित थे ।मंदिर के पास ही ज्ञान मंदिर महाविद्यालय मार्ग की ओर खेल खिलौने मनिहारी और खाद्य पदार्थो की दुकान भी मेले के रूप में सजाई गई थी। उल्लेखनीय है की यह मेला 3 दिन और चलेगा। आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया।

पुराने
पंखे, कुलर व
अलमारी पर
मन पसंद कलर करवाईयें
अजन्ता पेन्टर
अम्बेडकर चौराहा मंदसौर
7089832581

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in